हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025

10 पात्र मतदाताओं का नाम सूची में रहे, इसका ध्यान रखना...

10 यूथ हब को तुड़वाने की साज़िश, विकास...

नगर निगम के 10 जोन में 5 जोन ने सार्वजनिक स्थलों पर की अलाव की व्यवस्था

आलमारी से बंद सिगड़ी बाहर निकली, ठिठुरन से राहत दिलाने अलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कड़ाके की ठंड से बढ़ी ठिठुरन, इलेक्ट्रानिक अलाव नगर निगम की आलमारी में बंद शीर्षक से रायपुर भूमि में प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। निगम के अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पांडे ने दस जोन के कमिश्नरों को निर्देश जारी कर शीतलहर से ठिठुर रहे लोगों को राहत दिलाने सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने निर्देश दिए हैं। मंगलवार से दस में से 5 जोन कमिश्नरी ने अपने-अपने जोन के सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों, रेलवे स्टेशन और बसस्टैंड, अस्पताल के पास जनता को ठंड से राहत दिलाने अलाव शुरू कर दिए हैं। इससे कामकाजी लोगों, ठेले, रिक्शे वाले, मजदूरी करने वाले, फुटकर विक्रेता और राहगीरों को ठंड से राहत मिलेगी।

अघन महीने में कड़ाके की ठंड से प्रदेशभर में शीतलहर से कंपकंपाती ठंड पड़ रही है। राजधानी रायपुर में भी सुबह और देर शाम ठिठुरन बढ़ने से लोगों को अलाव की जरूरत महसूस होने लगी है। नगर निगम द्वारा हर साल लकड़ी और गोबर के कंडे जलाने या फिर इलेक्ट्रानिक सिगड़ी की व्यवस्था कर ठंड से राहत दिलाने की व्यवस्था की जाती रही है। मंगलवार से शहर के दर्जनभर से ज्यादा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव सुलगने से लोगों को ठंड से अब राहत मिलेगी।

अपर आयुक्त विनोद पांडे ने सभी जोन कमिश्नरों को दिए निर्देश

जोनवार अलाव की व्यवस्था इस तरह

जोन 1 : खमतराई बाजार चौक, गोगांव चौक
जोन 2- शारदा चौक, आंबेडकर अस्पताल के पास, रेलवे स्टेशन क्षेत्र
जोन 3 - तेलीबांधा मरीन ड्राइव, अवंतिबाई चौक, शंकरनगर चौक, जोन दफ्तर के पास, खम्हारडीह चौक
जोन 4- मोतीबाग चौक, नेताजी सुभाष स्टेडियम के पास, जयस्तंभ चौक, नगर घड़ी चौक
जोन 5 - लाखेनगर चौक, सुंदर नगर चौक, डगनिया बाजार के पास

ठंड से मिलेगी राहत

आम जनता को ठंड से राहत दिलाने नगर निगम के 10 जोन के ऐसे सार्वजनिक स्थल जहां लोगों की सबसे ज्यादा आवाजाही रहती है, उन चिन्हांकित स्थलों पर जोन के माध्यम से अलाव की व्यवस्था की जा रही है, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। जोन कमिश्नरों को हमने निर्देशित कर दिया है।

-विनोद पांडे, अपर आयुक्त स्वास्थ्य, नगर निगम रायपुर

खबर संक्षेप

इलेक्ट्रॉनिक दुकान से 95 हजार की चोरी

रायपुर। इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी के मामले में डीडीनगर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। घटना 14 नवंबर की दरमियानी रात की है। सुंदरनगर निवासी प्रार्थी इंद्रकुमार देवांगन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी पीएस सिटी चंगोराभाठा में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। रोज की तरह रात करीब 9 बजे वह दुकान को बंद किया था। दूसरे दिन सुबह आकर देखा तो दुकान का शटर टूटा पाया। अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान एवं नकदी कुल 95 हजार की चोरी हुई है। पुलिस चोरों का पता लगाने सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

शराब पीने पैसे नहीं देने पर पीटा, केस दर्ज

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने मारपीट के मामले में अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी सोनू यादव निवासी शुक्रवारी बाजार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 17 नवंबर की रात करीब 11 बजे मोहल्ले में दो युवक शेख अयान एवं मुकुल ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। सोनू ने जब पैसे देने से इंकार कर दिया तो इस बात पर दोनों युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज की एवं जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। इससे उसे चोट आई है।

पैसे लेनदेन के विवाद पर मारपीट

रायपुर। उरकुरा में पैसे के लेनदेन के विवाद पर मारपीट की घटना सामने आई है। प्रार्थी सुनील साहनी निवासी शक्तिपारा ने खमतराई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी जतिन पांडे एवं उसके पिता ने पैसा लेनदेन की बात पर विवाद करते हुए गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ हाथ-मुक्का एवं लाठी से मारपीट की। इससे उसे चोटें आई है।

ट्रक ने कार को मारी ठोकर, क्षतिग्रस्त

रायपुर। एक ट्रक ने कार को ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना 18 नवंबर की सुबह 11.15 बजे पचपेड़ी नाका चौक के पास की है। इस ठोकर से कार क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रार्थी कार चालक धनेंद्र जांगड़े की रिपोर्ट पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के विरुद्ध बीएनएस धारा 281 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

मशरूम फैक्ट्री से छुड़वाई गई बच्चियों ने काउंसिलिंग में सुनाई दर्दनाक आपबीती

बच्चियों ने कहा-ठेकेदार संग उसके आदमी काम के बहाने निजी अंग छूते थे, छेड़छाड़ भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मशरूम फैक्ट्री से छुड़वाए गए बाल मजदूरों ने काउंसिलिंग के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सोमवार देर रात बच्चों को फैक्ट्री से छुड़वाए जाने के बाद उन्हें तत्काल सुरक्षा में लिया गया। मंगलवार सुबह से उनकी काउंसिलिंग शुरू की गई। इस दौरान काउंसलर्स से बातचीत में बाल मजदूरों ने जो आपबीती सुनाई, उसे सुनकर काउंसिलिंग कर रहे अधिकारियों की भी आंखें नम हो गईं। यहां काम करने वाली बालिकाओं ने बताया कि ठेकेदार और उसके आदमी काम के बहाने उनके निजी अंगों को छूते थे। ये उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। किसी ना किसी बहाने से वे उनके निजी अंगों के अलावा चेहरे, गाल, पीठ आदि पर हाथ फेरते थे। विरोध करने पर शारीरिक दंड दिया जाता था या अधिक काम सौंप दिया जाता था, इसलिए वे चुपचाप रात में बैठकर रोया करती थीं।

चूंकि बच्चों की संख्या सैकड़ा पार है, इसलिए एक दिन में सभी बच्चों की काउंसिलिंग नहीं हो सकी है। एक बच्चे की काउंसिलिंग में 15 मिनट से आधे घंटे तक का समय लग रहा है। सूत्रों के अनुसार, काउंसिलिंग समाप्त होने के बाद बुधवार को बच्चों को न्यायिक कमेटी के समक्ष पेश किया जाएगा। उन्हें काउंसिलिंग रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

लड़कों ने कहा, काम के दौरान गलती ना होने पर भी कर देते थे पिटाई

तय हो अफसरों की जवाबदेही

जिस मशरूम फैक्ट्री से बच्चों को छुड़वाया गया है, वहीं से तीन माह पूर्व भी बच्चों को छुड़वाया गया था। कड़ी कार्रवाई नहीं होने के कारण निजी संगठन भी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। छापे का हिस्सा रहे एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने कहा, इकाई में मौजूद बच्चे भूखे, जख्मी, उदास और डरे हुए थे। वहां की स्थिति देखकर हम स्तब्ध रह गए। यह तीन महीनों में उसी प्रतिष्ठान पर दूसरी छापेमारी है। इससे साबित होता है कि मालिकों की इसमें एक स्पष्ट और खतरनाक भूमिका है। इसके बावजूद एफआईआर में प्रासंगिक धाराएं शामिल नहीं की गईं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के भुवन ऋभु ने कहा, वे अफसर जो इस यूनिट में इतने बड़े पैमाने पर बाल व बंधुआ मजदूरी का पता लगाने में विफल रहे, उनकी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए।

फैक्ट्री में बच्चों से कराया जा रहा था काम
आकस्मिक निरीक्षण में 70 किए गए रेस्क्यू!

मशरूम फैक्ट्री में कार्य करते मिले बच्चे

चढ़ाते थे पतले रॉड वाली तीन मंजिला जालियों में

मोजो मशरूम प्रसंस्करण इकाई में बड़े मशीनरी उपकरण और पतले रॉड वाली तीन मंजिला जालियां मशरूम पैकेट रखने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। बच्चों ने बताया कि उन्हें इन जालियों पर चढ़ाया जाता था और बिना किसी सुरक्षा उपकरण के उन पर मशरूम पैकेट टांगने को कहा जाता था। इसके अलावा जांच में यह सामने आया है कि इस प्रक्रिया में इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी में फॉर्मलिन जैसे खतरनाक रसायन मिलाए जाते थे, जो सांस के जरिए शरीर में जाने से कैंसर पैदा कर सकता है। लंबे समय तक या उच्च मात्रा में फार्मलिन के संपर्क से गले में सूजन के कारण या फेफड़ों में रासायनिक जलन से मृत्यु तक हो सकती है।

छेड़छाड़ का आरोप

जिन बच्चियों को रेस्क्यू किया गया है, उनमें से कई बच्चियों ने फैक्ट्री में कार्य करने वाले लोगों व ठेकेदार पर छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया है। इस मामले में भी जांच की जा रही है।

संजय निराला, अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, रायपुर

पढ़ना था, घरवालों के पास पैसे नहीं थे

उत्तरप्रदेश से आए एक नाबालिक ने काउंसिलिंग के दौरान बताया, वे पढ़ना चाहते थे। घरवारों के पास पैसे नहीं थे, इसलिए मजदूरी करने यहां भेज दिया। हमें लगा कि वक्त मिला तो काम के साथ-साथ थोड़ी पढ़ाई भी कर लेंगे, लेकिन यहां 14 से 15 घंटे तक लगातार काम करवाते रहे। मध्यप्रदेश के मंडला व बालाघाट से आए नाबालिक लड़कों ने कहा, उनके साथ मारपीट आम बात थी। कई बार में काम के दौरान कोई गलती ना होने पर भी ठेकेदार मस्ती के लिए ही उनकी पिटाई कर दिया करते थे। काम के दौरान हाथ में पहनने के लिए दिए जाने वाले दस्ताने झिल्ली के बराबर ही पतले थे। इस कारण उनके हाथों में फफोले भी पड़ गए हैं। काउंसिलिंग के दौरान ये फफोले भी उन्होंने दिखाए।

शादी-ब्याह के सीजन में एयरपोर्ट पर रौनक, बुक होने लगे छुट्टियों के टूर पैकेज भी

रायपुर। शादी-ब्याह का सीजन आते ही रायपुर से संचालित होने वाली फ्लाइटों में यात्रियों की रौनक लौट गई है। दिवाली बीतने के बाद टिकट बुकिंग में कमी आ गई थी। विभिन्न शहरों के लिए बुकिंग के साथ छुट्टियों के लिए भी टूर पैकेज बुक होने लगे हैं। विमानतल द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बीते 18 दिनों में रायपुर एयरपोर्ट से करीब 1.40 लाख यात्रियों ने अपनी यात्रा पूरी की है। दिसंबर के दौरान होने वाली ठंड की छुट्टियों में विमानों में ट्रैफिक बढ़ने की संभावना है।

■ दिवाली ब्रेक के बाद नवंबर से बढ़े यात्री, 18 दिन में करीब 1.40 लाख यात्रियों का सफर

ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दिवाली के बाद फ्लाइटों की टिकट बुकिंग का काम बेहद सामान्य हो गया था। अक्टूबर के अंतिम दिनों में राज्योत्सव की तैयारियों के मद्देनजर लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी थी। अब शादियों का मौसम प्रारंभ हो गया, जिसकी वजह से लोगों का दूसरे शहरों से आना जाना शुरू हो गया है। आमतौर पर लोग अपनी यात्रा पूरी करने ट्रेनों का सहारा लेते हैं।

इसमें लगने वाले ज्यादा समय और ट्रेनों का संचालन नियमित नहीं होने की वजह से लोग विमानों के माध्यम से अपनी यात्रा पूरी करने लगे हैं, जिससे फ्लाइटों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों में भी बढ़ने लगी है। इसकी वजह से हर सीजन में पर्याप्त संख्या में फ्लाइट टिकटों की बुकिंग हो रही है। प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक नवंबर के बीते 18 दिनों में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से 1.40 लाख यात्रियों ने आवाजाही की है। आने वाले दिनों में इनकी संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है क्योंकि ठंड की छुट्टियों के दौरान पैकेज टूर के बारे में पूछताछ होने ▶▶| शेष पेज 12 पर

दिल्ली-मुंबई के लिए होगी 16 उड़ान

रायपुर विमानतल से सबसे ज्यादा यात्री दिल्ली और मुंबई के लिए सफर करते हैं। यात्रियों की संख्या को ध्यान रखते हुए इन सेक्टरों में विमानों की संख्या भी समय के साथ बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में रायपुर-दिल्ली के बीच सर्वाधिक संख्या में घरेलू उड़ानों का संचालन करने वाली इंडिगो 5 फ्लाइट के साथ नियमित रूप से 10 बार आवाजाही करती है। वहीं एयर इंडिया का तीन विमान 6 बार दिल्ली-रायपुर के बीच आनाजाना करता है। अभी मुंबई-रायपुर के बीच 3 फ्लाइट चल रही जिनकी संख्या आने वालों दिनों बढ़ने की पूरी संभावना है।

शीतलहर से राहत के आसार क्योंकि हवा की दिशा में हो रहा बदलाव, बढ़ेगा न्यूनतम तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पिछले दस दिन से कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर का प्रकोप झेल रहे छत्तीसगढ़ के लोगों को इससे राहत मिलने की संभावना है। हवा की दिशा में बदलाव होने से न्यूनतम तापमान चढ़ेगा, जिससे ठंड कम होने की संभावना है। बीते दस दिनों में राज्य का न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 6 और रायपुर में 13 डिग्री तक नीचे जा चुका है। इसमें सप्ताहभर तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों को मानें, तो राज्य में पहले दौर की ठंड काफी लंबी रही। इसका असर दस दिनों तक रहा और रायपुर समेत उत्तरी इलाकों में रिकार्ड जैसी स्थिति भी बनी। ▶▶| शेष पेज 12 पर

■ दस दिनों से असर दिखा रही ठंडी हवा, लंबा रहा ठंड का पहला दौर

प्रमुख शहरों का तापमान

रायपुर	13.2
माना	11.2
बिलासपुर	12.6
पेंड्रा	9.8
अंबिकापुर	7.3
जगदलपुर	10.9
दुर्ग	10.8
राजनांदगांव	8.5

सप्ताहभर पूर्वी हवा आने की संभावना, 6 डिग्री तक उतर चुका पारा

सिर्फ गणित ही नहीं, विज्ञान में भी होगी बेसिक और एडवांस्ड परीक्षा, कठिनाई का स्तर चुन सकेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा इस बार की बोर्ड परीक्षा की तिथि पर्याप्त समय पहले ही घोषित की जा चुकी है। परीक्षा के दौरान होने वाले बदलाव व नियम के बारे में भी सीबीएसई पहले ही नोटिफिकेशन जारी कर चुका है। शिक्षा बोर्ड लगातार छात्रों की रुचि और योग्यता के तहत शिक्षा प्रदान करने की नई दिशा पर काम कर रही है। परीक्षा को लेकर एक और घोषणा की गई है। सीबीएसई की ओर से गणित के अलावा विज्ञान में भी बोर्ड परीक्षा को बेसिक और एडवांस्ड स्टैंडर्ड पर लाया जाएगा। हालांकि यह सत्र 2025-26 के स्थान पर अगले सत्र 2026-27 से लागू की जाएगी। वर्तमान में 9वीं कक्षा में अध्ययनरत और अगले सत्र में 10वीं कक्षा में प्रवेश प्राप्त करने वाले उम्मीदवार छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। अभी तक 10वीं छात्रों द्वारा गणित सब्जेक्ट में बेसिक और स्टैंडर्ड की परीक्षाएं दी जाती है। नए नियम के लागू हो जाने के बाद से विज्ञान विषय ▶▶| शेष पेज 12 पर

■ अगले शैक्षणिक सत्र से छात्र कर सकेंगे चुनाव

क्षमतानुसार कर सकेंगे चयन

सीबीएसई के मुताबिक, 2027 में 10वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान मैथ्स और साइंस सब्जेक्ट की बेसिक और एडवांस्ड स्टैंडर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। इसका मुख्य उद्देश्य 10वीं छात्रों के लिए अपनी रुचि क्षमता के आधार पर सही सब्जेक्ट के चयन में मदद करना है। गणित और विज्ञान का बेसिक लेवल उन छात्रों के लिए रहेगा जो उच्च कक्षाओं में इन दोनों सब्जेक्ट को मुख्य विषय के रूप में नहीं पढ़ना चाहते हैं। बोर्ड के अनुसार, गणित और विज्ञान की बेसिक लेवल परीक्षा में सभी छात्रों को शामिल होना होगा। हालांकि, एडवांस्ड स्टैंडर्ड परीक्षाओं में केवल वो छात्र शामिल हो सकते हैं जो अपना करियर मेडिकल, इंजीनियरिंग या फिर वैज्ञानिक क्षेत्र में बनाना चाहते हैं और आगे की पढ़ाई उसके संबंधित रखा चाहते हैं। इन विषय का एडवांस्ड स्टैंडर्ड लेवल ज्यादा डिटेल्ड और जटिल होगा।

चौपाटी शिफ्टिंग पर लगा ब्रेक, रेलवे ने दुकानदारों को थमाया नोटिस

बिना अनुमति चौपाटी शिफ्टिंग पर रेलवे खफा, नोटिस जारी कर रोका कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एनआईटी रोड स्थित चौपाटी को आमानाका ओवरब्रिज के नीचे शिफ्ट करने की योजना एक बार फिर विवादों में फंस गई है। रेलवे ने जिस स्थान पर चौपाटी स्थानांतरित की जानी थी, उसे अपनी ज़मीन बताते हुए वहां मौजूद गुमटी व ठेले संचालित करने वाले दुकानदारों को 7 दिन के भीतर जगह खाली करने का नोटिस दे दिया है। इस कार्रवाई से न केवल अस्थायी दुकानदारों, बल्कि ब्रिज के नीचे लंबे ▶▶| शेष पेज 12 पर

■ महापौर ने कहा रेलवे अधिकारियों से बातचीत कर निकालेंगे समाधान, फिर होगी शिफ्टिंग

चौपाटी का विरोध और नालंदा-2 का निर्माण

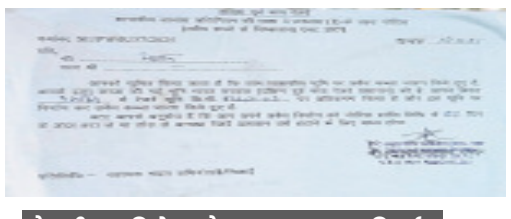

रायपुर में करीब 10 करोड़ की लागत से विकसित की गई चौपाटी को लेकर शुरू से विवाद रहा है। पूर्व विधायक राजेश मूणत ने इसके निर्माण का विरोध किया था। 2023 में भाजपा सरकार के आने के बाद नगर निगम ने चौपाटी हटाकर वहां नालंदा-2 पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र बनाने की योजना बनाई, जिस पर तेजी से काम भी शुरू हुआ। नवंबर 2025 में नगरीय प्रशासन ने नालंदा-2 के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी दी और 15 नवंबर से चौपाटी शिफ्टिंग की तारीख भी तय कर दी गई। लेकिन इससे पहले ही रेलवे ने आमानाका ओवरब्रिज के नीचे बैठने वाले 32 दुकानदारों को नोटिस थमा दिया और जमीन पर अपना मालिकाना हक जता दिया। इसने चौपाटी शिफ्टिंग और नालंदा-2 के निर्माण पर अनिश्चितता पैदा कर दी है।

रेलवे की जमीन इसलिए नोटिस

नोटिस को लेकर मुझे अधिक जानकारी नहीं है। जमीन रेलवे की होगी इसलिए वहां नोटिस लगाया गया है। बिना आधार के नहीं लगाया गया होगा।

- **दयानंद**, डीआरएम, रायपुर मंडल

रेलवे से बात करेंगे

चौपाटी को ब्रिज के नीचे शिफ्ट करने को लेकर रेलवे की ओर से दुकानदारों और गुमटियों में नोटिस चस्पा करने की जानकारी मिली है। इस पूरे मामले में रेलवे अधिकारियों से बातचीत कर समाधान निकालेंगे फिर शिफ्ट करेंगे।

- **मीनल चौबे**, महापौर

रेलवे : जमीन हमारी, निगम ने नहीं दी कोई सूचना

चौपाटी शिफ्टिंग को लेकर बढ़ते विवाद के बीच अब रेलवे ने स्पष्ट कर दिया है कि जिस जगह पर नगर निगम चौपाटी को स्थानांतरित करना चाहता था, वह ज़मीन रेलवे की है और इस संबंध में निगम ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि नगर निगम या जिला प्रशासन की ओर से चौपाटी शिफ्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई। साथ ही रेलवे पहले से ही इस जमीन पर पार्किंग विकसित करने की योजना बना चुका है। रेलवे ने कहा है कि जिस ज़मीन पर अब अस्थायी दुकानदार और गुमटी वाले बैठ चुके हैं, वहां से कब्जा हटाना ही पड़ेगा। इसी कारण 7 दिन में जगह खाली करने का नोटिस जारी किया गया है।

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसका महाबम्बर ड्रा दिनांक 22 नवंबर 2025 से निकाला जायेगा।
भाग्यशाली पाठकों के उपहार देने की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

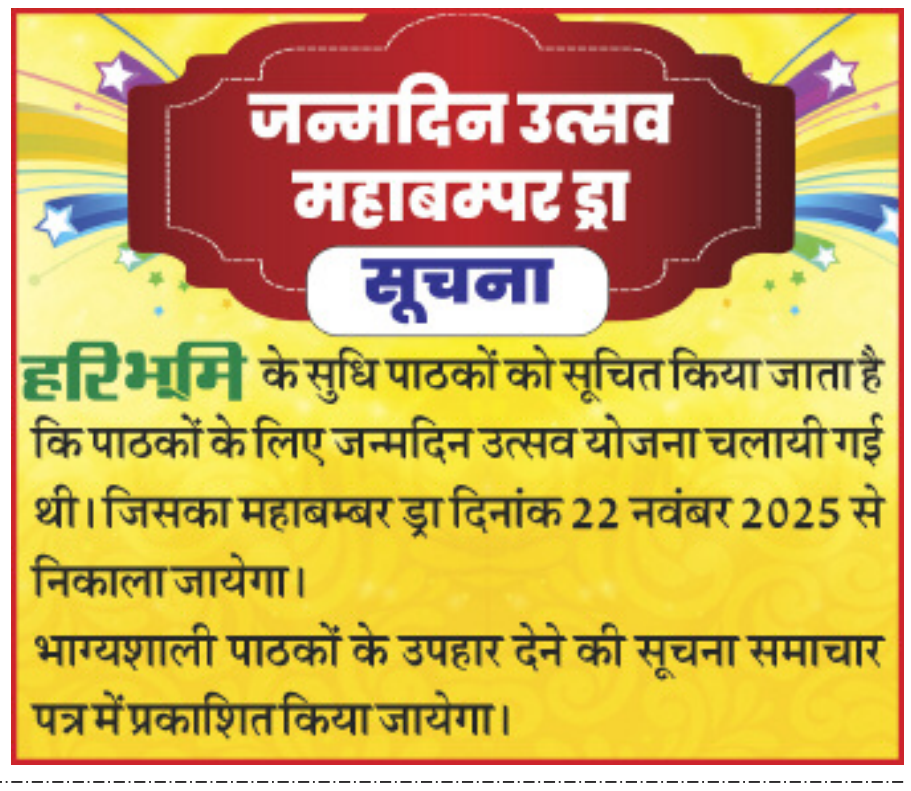

खबर संक्षेप

हड़ताल के चलते चार दिन में सिर्फ बोहनी किसान परेशान

तरपोंगी। सहकारी समिति कर्मचारी और कंप्यूटर ऑपरेटरों के हड़ताल पर चले जाने से धान खरीदी केंद्रों पर किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धान खरीदी शुरू हुए चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन हड़ताल के कारण केंद्र अब तक सिर्फ 'बोहनी' (औपचारिक शुरुआत) ही कर पाए हैं। किसानों में भारी चिंता है कि यदि यही हाल रहा, तो वे आगामी 6 माह में भी अपना पूरा धान नहीं बेच पाएंगे। क्षेत्र के जनपद सदस्य और पूर्व कृषि सभापति देवेंद्र वर्मा ने राज्य सरकार से जल्द हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि सरकार को हड़ताली कर्मचारियों की मांगें शीघ्र ही पूरी करनी चाहिए, ताकि किसान सुचारू रूप से अपना धान बेच सकें और उन्हें आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।

राजशेखर का नवोदय विद्यालय में चयन

आरंग। शासकीय प्राथमिक शाला पिरदा के छात्र राजशेखर धीवर पिता देवनंदन धीवर का जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयन हुआ है। छात्र की इस सफलता से उनके परिवार एवं गांव में हर्ष व्याप्त है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार कुम्भज सिंह कश्यप (प्रधानपाठक), कीर्तन साहू, कौशल साहू, विजय साहू, मनोज चतुर्वेदी, लक्ष्मण दास घृतलहरे, फ़ालगो प्रसाद वर्मा, दर्पण सिँह कंवर, एस एम सी सादस्योंगान सेवाराम साहू प्रधान पाठक मिडिल स्कूल पिरदा, संकुल समन्वयक मंजूर साहू, टाकेश्वरी साहू जनपद अध्यक्ष, संतोषी साहू सरपंच पिरदा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों, अभिभावकों व शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

साकरा स्कूल में नीको इंडस्ट्रीज ने कराया स्वास्थ्य परिचर्चा

धरसीवा। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत जायसवाल नीको इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला साकरा में छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया। इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में सुरक्षित और स्वस्थ जीवन शैली के वातावरण को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना था। यह स्वास्थ्य जागरूकता परिचर्चा जायसवाल नीको इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी डॉ. अनुदीप डी के द्वारा दी गई। इस परिचर्चा से स्कूल के 200 से अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए। नीको कंपनी लगातार आसपास के गांवों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है, और इसी कड़ी में इस परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एस के स्वेन के निर्देशन तथा मानव संसाधन विभाग के प्रमुख आलोक पांडे के मार्गदर्शन में किया गया। परिचर्चा में नीको कंपनी से प्रबंधक (मानव संसाधन विभाग) आर एस गौराहा, ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, राजेंद्र राठौड़ और स्कूल से प्रधान पाठक चंद्रप्रकाश मारकंडे सहित शिक्षक जागृति देवांगन और चंचल शुक्ला की सक्रिय सहभागिता रही।

निधन

घनश्याम मिश्रा

आरंग। स्थानीय ब्राह्मण पारा निवासी 44 वर्षीय अधिवक्ता घनश्याम मिश्रा का सोमवार को निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार कोदमौवा तालाब श्मशान घाट में किया गया। जिसमें गणमान्य नागिरक शामिल हुए। वे अधिवक्ता रश्मि मिश्रा के पति, अर्पित मिश्रा के पिता, स्व. जनक लाल मिश्रा के पुत्र तथा शिक्षक माणिक मिश्रा के अनुज भ्राता थे।

विमला बाई को ग्रामीण बैंक ने बरसों बाद लौटाई हजारों रुपए की अदावी राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा धरसींवा ने ग्राहक-सेवा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट और मानवीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। बैंक ने एक संवेदनशील पहल करते हुए ग्राम मांढर निवासी विधवा विमला बाई को उनके दिवंगत पति स्व. जगदीश की अदावी राशि डीईएफ का भुगतान सम्मानपूर्वक किया। यह राशि बरसों से लगभग 28 वर्ष से बैंक में निष्क्रिय थी और अब यह राशि विमला बाई के लिए एक बड़ी आर्थिक संबल बनकर सामने आई है। बता दे कि अदावी राशि वह जमा धनराशि होती है जिसमें ग्राहक 10 वर्षों तक कोई लेन-देन नहीं करता। नियमों के अनुसार, इसके बाद यह राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के डीईएएफ कोष में हस्तांतरित कर दी जाती है। हालांकि, पात्र ग्राहक या उनके वारिस आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने पर यह राशि वापस पाने के हकदार होते हैं। स्व. जगदीश के निधन और श्रीमती विमला बाई की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए, धरसींवा शाखा ने इस जटिल प्रक्रिया को अत्यंत सहानुभूति और सरलता के साथ पूरा किया।

राशि प्राप्त करते समय श्रीमती विमला बाई भावुकता से भर गईं। उन्होंने बैंक के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मैं बैंक की बहुत आभारी हूं। वर्षों पुरानी यह जमा राशि आज मेरे परिवार के लिए एक बड़ी मदद बनकर आई है। मेरे पास बैंक के मानवीय सहयोग के लिए शब्द नहीं हैं।

28 वर्षों से बैंक में निष्क्रिय थी राशि

अधिकारों का सम्मान करना सर्वोपरि

धरसींवा शाखा प्रबंधक श्री नवीन शर्मा ने कहा की हमारा मानना है कि बैंकिंग केवल लेन-देन का व्यवसाय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय प्रतिबद्धता का निर्वहन भी है। ग्राहकों के हितों की सुरक्षा और उनके अधिकारों का सम्मान करना छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की सर्वोपरि प्राथमिकता है। श्रीमती विमला बाई के मामले में, हमने सिर्फ एक नियम का पालन नहीं किया, बल्कि एक जरूरतमंद परिवार तक संवेदनशीलता से पहुंचने का प्रयास किया है। हम गर्व महसूस करते हैं कि यह अदावी राशि आज उनके लिए 'जीवनदायिनी' साबित हुई।

सरकार का दावा हड़ताल का कोई प्रभाव नहीं

सभी जिलों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी, हड़ताली सोसाइटी प्रबंधक कार्रवाई के डर से घर भी नहीं जा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- प्रतिदिन औसतन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन
- केन्द्रों में धान खरीदी की व्यवस्था से प्रसन्न है किसान

राज्य के सभी जिलों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला बिना किसी व्यवधान के लगातार से जारी है, लेकिन इसके साथ ही सोसाइटी प्रबंधकों, खरीदी प्रभारी और आपरेटरों की हड़ताल जारी है। बताया गया है कि प्रशासन की कार्रवाईयों से बचने के लिए सोसाइटी प्रबंधक अब अपने घर भी नहीं जा रहे हैं, सहकारी कर्मचारियों के संगठन ने भी इन्हें घर न जाने की सलाह दी है।

धान खरीदी शुरू हुए अभी चार दिन ही हुए हैं, इसके बावजूद राज्य के उपार्जन केंद्रों में धान की आवक तेजी से होने लगी है। राज्य में औसतन प्रतिदिन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर होने लगा है। दावा है कि सहकारी समिति के कर्मचारियों के हड़ताल के बावजूद पूरे राज्य में धान खरीदी अप्रभावित है। सभी समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में धान लेकर आने वाले किसानों से बिना किसी रुकावट के धान खरीदी की जा रही है। कल 17 नवंबर को राज्य में किसानों से 2,43,831 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर की गई, जिसमें 1,05,342 क्विंटल मोटा, 71,603 क्विंटल पतला तथा 66,886 क्विंटल सरना धान शामिल है।

हड़तालियों पर शिकंजा कस रहा है

इधर 3 नवंबर से अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर सोसाइटियों के प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी और सोसाइटियों के आपरेटर हड़ताल पर हैं। बताया गया है कि कई जिलों में इन लोगों के खिलाफ एफआईआर की जा चुकी है। सहकारी कर्मचारी संघ के कई जिला अध्यक्षों पर एफआईआर की जा चुकी है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जिला अध्यक्षों को उनके जिलों में पुलिस पकड़कर थाने ले जा रही है और वहां, उन पर हड़ताल समाप्त करने का दवाब डाला जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से बचने के लिए प्रबंधक, प्रभारी यहां वहां घूम रहे हैं, इनके घरों में भी पुलिस पहुंचने का डर होने के कारण ये लोग अपने घर नहीं जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कर्मचारियों के संगठन की ओर से इन्हें सलाह दी गई है वो केवल साइंस कॉलेज मैदान के पास जो खुला है वही है। जहां पर किसी भी प्रकार की ट्रैफिक व्यवस्था गड़बड़ा रही और न ही किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्व के लोगों का जमावड़ा रहता है। जनता के पैसों का दुरुपयोग किसी भी हाल पर नहीं होने देंगे। चाहे इसके लिए कांग्रेस पार्टी को सदन से लेकर सड़क तक आंदोलन करना पड़ा, तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे।

2 घंटे में किसान को भुगतान, 3 दिन में 7732.80 क्विंटल धान खरीदी

वैकल्पिक व्यवस्था के बीच उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। जिले में तीसरे दिन 56 हजार 302.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इस तरह तीन दिन में जिले में 7732.80 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। एक ओर जहां उपार्जन केंद्रों में धान की जहां बंपर खरीदी हो रही है, वहीं दूसरी ओर धान खरीदने के बाद किसानों को भी अब बेचे गए धान के बदले जल्द से जल्द राशि का भुगतान किया जा रहा है। कई किसानों को धान बेचने के दो घंटे के भीतर भुगतान किया जा रहा है।

ग्राम रीवा-भिलाई के किसान को 2 घंटे में भुगतान

जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत ग्राम रीवा एवं ग्राम भिलाई के किसान द्वारिका प्रसाद साहू के परिवार ने दोनों गांव में कुल 100 एकड़ खेत में धान बोया था। इस तरह रीवा में साढ़े तीन सौ क्विंटल और भिलाइ में सौ क्विंटल धान उसने उपार्जन केंद्र में बेचा। धान बेचने के दो घंटे के भीतर ही धान की राशि उनके बैंक खाते में आ गई। इतनी जल्दी राशि मिलने से किसान ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई एवं खेती-किसानी में करेंगे।

जनजाति समुदाय का विकास भाजपा के लिए सर्वोच्च : कश्यप

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा के परिवार का सम्मान कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजाति समुदाय के लिए आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक सहित सभी क्षेत्रों में समुचित विकास कार्य कर रही है। जनजाति समुदाय का विकास भाजपा के लिए सर्वोच्च है।

श्री कश्यप ने कहा, 15 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को जनजाति गौरव दिवस की सौगात दी है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस वर्ष इस जयंती के अवसर पर लगातार महीनेभर कार्यक्रम चल रहे हैं। हमारे उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व महान विभूतियों को याद किया जा रहा है जिन्होंने समाज, संस्कृति, देश व मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। जनजाति समाज की उपेक्षा व अपमान के लिए कांग्रेस पर हमला बोलते हुए श्री कश्यप ने कहा, कांग्रेस आदिवासियों का अपमान कर रही है और आज पूरे देश से कांग्रेस ने आदिवासियों को नेतृत्व के अवसरों से वंचित कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व की मंशा है कि वह आदिवासियों को आगे बढ़ना नहीं देना चाहती इसीलिए कांग्रेस के पास आज आदिवासी नेतृत्व नहीं है जबकि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भाजपा ने जनजाति समुदाय को विशेष महत्व दिया। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुशोभित कर रही हैं। 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में उनका आगमन हो रहा है। इसी जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 19 और 20 तारीख को कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

यूथ हब को तुड़वाना की साजिश, विकास ने कहा- कांग्रेस लड़ेगी सड़क की लड़ाई

नियमानुसार बना फूड कोर्ट, मूणत को रास नहीं आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने साइंस कॉलेज यूथ हब को लेकर कहा, विधायक राजेश मूणत सिर्फ और सिर्फ अपनी जिद् के आगे इसको तुड़वाना चाहते हैं। वे जनता को गुमराह कर रहे हैं कि नियम विरुद्ध फूड कोर्ट का निर्माण हुआ है। सच्चाई यही है कि सारे नियमों का पालन करते हुए यूथ हब का निर्माण किया गया था, जिसमें आमापारा से लेकर रविशंकर विवि तक डेवलप करना था।

जहां पर सेंट्रल लाइब्रेरी और नालंदा परिसर के पीछे स्टूडेंट के लिए बैठने की व्यवस्था, जिसमें यूथ हब निर्माण में फूडकोर्ट भी शामिल है, क्योंकि वहां पर साइंस कॉलेज, संस्कृत कॉलेज आयुर्वेदिक कॉलेज, एनआईटी, रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर, जैसे शिक्षा से जुड़ी संस्थाएं हैं। फूड कोर्ट का निर्माण भी इसीलिए किया गया है, ताकि छात्रों को कम कीमत पर खाने पीने की चीजें उपलब्ध हो वो भी एक अच्छे वातावरण में, लेकिन मूणत की को यह रास नहीं आ रहा है। वही शिक्षा विभाग से जमीन का हस्तांतरण नहीं कराया गया यह झूठ फैलाया जा रहा है।

जिस जगह यूथ हब फूड कोर्ट का निर्माण हुआ है उस जगह पर वीआईपी पार्किंग हुआ करती थी और मैदान का 1 इंच भी जमीन भी कम नहीं हुआ है। उपाध्याय ने कहा कि राजधानी के अंदर पूरे रायपुर शहर में अगर कोई व्यवस्थित यूथ हब फूड कोड है तो

जल संरक्षण

राष्ट्रपति ने रायपुर, महासमुंद, गरियाबंद समेत पांच जिलों को किया सम्मानित, नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जल संरक्षण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर, महासमुंद, बालोद, गरियाबंद और राजनांदगांव जिलों को सम्मानित किया है। मंगलवार को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार दिए गए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर कहा प्रदेश का जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार होगा प्रेरणादाई होगा।

रायपुर देश में प्रथम स्थान पाने वाला नगर निगम, पूर्वी जोन में मिला तीसरा स्थान

रायपुर जिले को जल संचय जनभागीदारी 1.0 अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ग्रहण किया। देशभर के नगर निगमों में रायपुर नगर निगम प्रथम स्थान पर रहा, जबकि ईस्टर्न जोन कैटेगरी 01 में रायपुर जिला तीसरे स्थान पर रहा। रायपुर जिले और नगर निगम ने मिलकर सामुदायिक सहभागिता को जल संचय का व्यापक अभियान बनाया। रायपुर नगर निगम द्वारा 33,082 कार्य और जिला प्रशासन द्वारा 36,282 कार्य तथा राज्य स्तर पर कुल 4,05,563 जल संरक्षण कार्य पूरे किए गए। इनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पिट्स, अमृत सरोवर, टॉप डैम एवं परकुलेशन टैंक शामिल हैं। इसी तरह तरल अपशिष्ट प्रबंधन में भी रायपुर ने दर्ज की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रायपुर में 4 एसटीपी के माध्यम से 206 एमएलडी क्षमता विकसित की गई है। 09 औद्योगिक इकाइयों को 125.849 एमएलडी शुद्ध जल आपूर्ति की जा रही है। प्रत्येक वार्ड में वर्षा जल संचयन, 20 से अधिक सरोवरों का पुनर्जीवन और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से स्मार्ट ग्राउंडवॉटर मॉनिटरिंग ने इस उपलब्धि को हासिल करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार होगा प्रेरणादाई : साय

गरियाबंद को मिला एक करोड़ का पुरस्कार

जल संचय और जन भागीदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला को जोन-1, केटगरी-2 में देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर बीएस उइके, जलसंसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन एवं सहायक अभियंता मनोज ताण्डिल्य ने प्राप्त किया। राष्ट्रीय जल संचय एवं जलभागीदारी कार्य के लिए तीसरा पुरस्कार के रूप में गरियाबंद जिले को एक करोड़ रूपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बालोद जिला पूर्वी जोन में प्रथम, मिले 2 करोड़

बालोद को पूर्वी जोन में बेस्ट परफॉर्मिंग जिला घोषित किया गया, जिसके साथ 2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। यह सम्मान कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने ग्रहण किया। बालोद जिले ने 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तहत प्रभावशाली और बड़े पैमाने पर जल संरक्षण कार्य किए। इसके तहत 1 लाख 6 हजार 677 नई जल संरचनाएँ निर्मित की गईं। 30 हजार 849 पुराने जल स्रोतों की मरम्मत व सफाई, प्रधानमंत्री आवासों में 10 हजार वाटर रिचार्ज पिट, वन क्षेत्र में 3 लाख 88 हजार पौधरोपण, 27 हजार से अधिक घरों में स्वयं प्रेरित सोकपिट निर्माण, 1 लाख 09 हजार 27 स्टेवार्ड कंटूर ट्रेंच, 140 अमृत सरोवर, 6 हजार 160 निजी डबरी, 1 हजार 944 सामुदायिक तालाब, 399 मिनी परकुलेशन टैंक, 6 हजार 614 लूज बोल्डर चेक डैम, 69 स्टॉप डैम, 316 गेबियन चेक डैम, 423 कुएं निर्मित किए गए हैं।

महासमुंद पूर्वी जोन में प्रथम

जल संचय एवं जन भागीदारी अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्यों के लिए पूर्वी जोन में शामिल कैटेगरी 2 अंतर्गत महासमुंद जिले को मिला प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिले को उत्कृष्ट कार्य के लिए एक करोड़ रूपए की राशि से सम्मानित किया है।

राजनांदगांव को दो राष्ट्रीय सम्मान

राजनांदगांव जिले को एक साथ दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर जितेंद्र यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने प्राप्त किया। जनभागीदारी एवं जल संचय के उल्लेखनीय कार्यों पर 2 करोड़ का पुरस्कार दिया गया। इसी कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में किए गए सराहनीय प्रयासों के लिए राजनांदगांव को छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ 2 करोड़ रूपए का जल संचय से जनभागीदारी प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किया।

उमरिया धान उपार्जन केंद्र में चौथे दिन से खरीदी शुरू

आरंग। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया उमरिया उपार्जन केंद्र में चार दिनों की देरी के बाद मंगलवार से आखिरकार शुरू हो गई। सहकारी समिति खुटेरी के अंतर्गत संचालित इस केंद्र में शनिवार और सोमवार को तकनीकी दिक्कत के चलते खरीदी नहीं हो पाई थी। पोर्टल में लॉगिन न होने से कर्मचारी और किसान दोनों ही लगातार परेशान रहे।जानकारी के अनुसार, उमरिया केंद्र में लॉगिन समस्या पिछले 3 दिनों से बनी हुई थी। कर्मचारी दिनभर पोर्टल में प्रवेश का प्रयास करते रहे, लेकिन सफल न होने से खरीदी बार-बार टलती गई। किसान सुबह से शाम तक केंद्र पहुंचकर चक्कर लगाते रहे, वहीं ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को भी स्थिति को लेकर असमंजस का सामना करना पड़ा। मंगलवार को तकनीकी समस्या दूर होते ही खरीदी कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। केंद्र पहुंचते ही किसानों ने राहत की सांस ली और धान तौल का काम सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया। धान खरीदी केंद्र प्रभारी श्री पुरैना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मंगलवार को कुल 173.60 क्विंटल धान की खरीदी हुई, जिसमें मोटा धान 58.80 क्विंटल, पतला धान 25.60 क्विंटल, तथा सरना धान 89.20 क्विंटल शामिल रहा। खरीदे गए धान की कुल राशि 4,11,170.40 रुपये दर्ज की गई। इस राशि के विरुद्ध 1,38,496 रुपये की ऋण वसूली की गई। किसानों ने बताया कि धान पूरी तरह तैयार होने के बावजूद खरीदी न शुरू होने से उन्हें बेचैनी और असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा था।

- लॉगिन समस्या दूर होते ही किसानों ने ली राहत की सांस

गुरु घासीदास जयंती की तैयारी शुरू, 16 दिसंबर को निकलेगी विशाल शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

गुरु घासीदास जयंती, शोभायात्रा व युवक-युवती परिचय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर रविवार को न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में सतनामी समाज की बैठक आयोजित हुई जिसमें चार दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर समाजजनों को अपने सबसे बड़े त्यौहार व शोभायात्रा की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया गया। अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया की राजधानी में आगामी 16 दिसम्बर को परंपरानुसार आमापारा प्लाजा से पंथी व गुरुजी के संदेशों को प्रदर्शित करती हुई आकर्षक झाकियों के साथ सात श्वेत ध्वजवाहक संतों की अगवाई में विशाल शोभायात्रा निकलेगी। 17 दिसंबर को महिलाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। 18 दिसम्बर को जन्मोत्सव पर ध्वजारोहण, पंथी नृत्य, संगोष्ठी व अलंकरण समारोह जैसे कई आयोजन होंगे। 04 जनवरी को शहीद स्मारक भवन में राष्ट्र स्तरीय सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का कार्यक्रम होगा जिसमें देशभर से प्रतिभागी शामिल होंगे। बैठक में शकुन डहरिया, के.पी. खण्डे, डॉ. जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुंदर लहरे, आरके गेंदले, सुंदरलाल जोगी, चेतन चंदेल, जीआर बाघमारे, कपिल नारायण भारद्वाज, पं. अंजोर दास बंजारे, कृपाराम चतुर्वेदी, तुलाराम टंडन, सुखदास बंजारे, अरुण मंडल, मनीष कोसरिया, डॉ. सुरेंद्र कुर्रे, कमल कुर्रे, जीएल ओगरे, रघुनाथ भारद्वाज, मोहनलाल डहरिया, नंदू मारकंडे, घासीदास कोसले, आसाराम लहरे, बाबा डहरिया, प्रो. आरपी टंडन, डी. दर्शन, पीके लहरे, नरेंद्र कुर्रे, भारत डहरिया, दिनेश जांगड़े, नीलेश अनंत, पुनाराम टंडन, सुमित महिलांग, ठाकुरराम नारंग, ईश्वर जांगड़े, तरुण जांगड़े, ईश्वरी गायकवाड सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ- जिला रायपुर तहसील अभनपुर प.ह.न. 00023 नाहनाचंडी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक RD202526441629700003

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00023 के अंतर्गत ग्राम नाहनाचंडी के वर्तमान भूमिस्वामी मंगलू राम पिता/पति-पिता बैजनाथ पता-सा. धनेली के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 803/1 (0.1500), 803/2 (0.5300), 804/1 (0.3000), 804/3 (0.4400), 805/1 (0.4700), 805/2 (0.2600) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता नंदकिशोर नौरंगे पिता/पति-मंगलू राम नौरंगे पता-म.नं. 187, सतनामी पारा ग्राम धनेली रायपुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/12/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/11/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार:
SITA SHUKLA

खबर संक्षेप

हॉफ बिजली बिल का दायरा बढ़ाना मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना को लेकर की गई घोषणा का स्वागत

करते हुए कहा, यह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता है। श्री देव ने कहा कि 200 यूनिट तक हाफ बिजली बिल की घोषणा से 45 लाख से ज्यादा परिवार इससे लाभान्वित होंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेशवासियों को बड़ी राहत दी है। नई योजना के लागू होने पर अब 200 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को सीधे आधा बिल देना होगा। उन्होंने कहा, प्रदेश की भाजपा सरकार जनता-जनार्दन के सभी प्रकार के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। श्री साय की इस घोषणा से प्रदेश के सभी वर्ग के बिजली उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

कांग्रेस के दबाव में झुकी सरकार : उपाध्याय

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार किए जा रहे आंदोलन के कारण भारतीय जनता पार्टी की

सरकार को झुकना पड़ा और 200 यूनिट बिजली बिल फ्री की घोषणा करनी पड़ी। उन्होंने कहा, पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ की जनता को 400 यूनिट फ्री बिजली बिल का लाभ दिया जा रहा था, उसे पुनः चालू नहीं करने की स्थिति में कांग्रेस पार्टी आंदोलनरत रहेगी। छत्तीसगढ़ की जनता को छलने वाली सरकार को आंदोलन के माध्यम से याद दिलाती रहेगी कि विधानसभा चुनाव के समय 400 यूनिट फ्री बिजली बिल की घोषणा केवल वोट लेने के लिए कि गई थी क्या।

समग्र शासन दृष्टिकोण के साथ दिव्यांगजन राज्य नीति पर मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए एक मजबूत और व्यापक नीति तैयार करने के उद्देश्य से, समाज कल्याण विभाग ने यूनिसेफ के सहयोग से मंगलवार को एक होटल में एक दिवसीय 'राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव ने प्रस्तावित राज्य नीति और कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों को धरातल पर उतारने के लिए एक समर्पित राज्य नीति की आवश्यकता है, जो छत्तीसगढ़ की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुकूल हो। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष, श्री लोकेश कावड़िया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पीएम किसान सम्मान निधि का ऑनलाइन अंतरण आज

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत प्रदेश के किसानों को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को देशभर के

किसानों को पीएम सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त की राशि ऑनलाईन जारी करेंगे। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 24 लाख 17 हजार 640 किसानों को उनके बैंक खातों में 494 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। पीएम किसान सम्मान निधि के राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन धमतरी में 19 नवम्बर को किया जा रहा है। समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे।

पात्र मतदाताओं का नाम सूची में रहे, इसका ध्यान रखना ही भाजपा कार्यकर्ताओं का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- एसआईआर के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने ली रायपुर संभाग की बैठक

भाजपा के पूर्व सांसद और एसआईआर के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संभागीय बैठक में कहा, मतदाता सूची का गहन परीक्षण पूर्ण न्यायिक हो। जो फर्जी तरीके से मतदान कर रहे हैं, उन्हें रोकना है। इसके लिए एसआईआर एक प्रमुख माध्यम है। कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रहित का विरोध किया है। कांग्रेस पार्टी हमेशा संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करती रही है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। चुनाव आयोग ने चुनाव से पहले इस प्रक्रिया को अनुकरणीय और समावेशी बताया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को देखना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में आने से वंचित न रह जाए। श्री नामग्याल ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दृष्टिगत भाजपा कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जाकर, हर एक घर तक पहुंचकर हर एक परिवार का नाम दो बार मिलान करना है एवं उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। इस संपर्क अभियान के माध्यम से बूथ समितियों को मजबूत करना है। यह अभियान महत्वपूर्ण है जिसमें सबकी भूमिका सदैव की तरह होनी चाहिए। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी के दुष्प्रचार से भी हमें लोगों को सचेत करना है। जो फर्जी तरीके से मतदान कर रहे हैं, उन्हें रोकना है। प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, एसआईआर भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने की प्रक्रिया है, जिसे निर्वाचन आयोग सम्पादित कर रहा है। भाजपा इस कार्य में अपने बीएलए के जरिए यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से छूट न जाए और अपात्र व फर्जी मतदाता इस सूची में रह न जाए। इसके लिए सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर हर मतदाता का सटीक सत्यापन सुनिश्चित करने प्रतिबद्ध रहें। बैठक में राजनांदगांव के सांसद एवं भाजपा मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, अखिलेश सोनी, उपाध्यक्ष नंदन जैन, वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा, डॉ. विजय शंकर मिश्रा, सहित भाजपा पदाधिकारी एवं एसआईआर टोली के सदस्य मौजूद रहे।

सरकार का दावा- हड़ताल का कोई प्रभाव नहीं

सभी जिलों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी, हड़ताली सोसाइटी प्रबंधक कार्रवाई के डर से घर भी नहीं जा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- प्रतिदिन औसतन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन
- केन्द्रों में धान खरीदी की व्यवस्था से प्रसन्न है किसान

राज्य के सभी जिलों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला बिना किसी व्यवधान के लगातार से जारी है, लेकिन इसके साथ ही सोसाइटी प्रबंधकों, खरीदी प्रभारी और आपरेटरों की हड़ताल जारी है। बताया गया है कि प्रशासन की कार्रवाईयों से बचने के लिए सोसाइटी प्रबंधक अब अपने घर भी नहीं जा रहे हैं, सहकारी कर्मचारियों के संगठन ने भी इन्हें घर न जाने की सलाह दी है।

धान खरीदी शुरू हुए अभी चार दिन ही हुए हैं, इसके बावजूद राज्य के उपार्जन केंद्रों में धान की आवक तेजी से होने लगी है। राज्य में औसतन प्रतिदिन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर होने लगा है। दावा है कि सहकारी समिति के कर्मचारियों के हड़ताल के बावजूद पूरे राज्य में धान खरीदी अप्रभावित है। सभी समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में धान लेकर आने वाले किसानों से बिना किसी रुकावट के धान खरीदी की जा रही है। कल 17 नवंबर को राज्य में किसानों से 2,43,831 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर की गई, जिसमें 1,05,342 क्विंटल मोटा, 71,603 क्विंटल पतला तथा 66,886 क्विंटल सरना धान शामिल है।

हड़तालियों पर शिकंजा कस रहा है

इधर 3 नवंबर से अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर सोसाइटियों के प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी और सोसाइटियों के आपरेटर हड़ताल पर हैं। बताया गया है कि कई जिलों में इन लोगों के खिलाफ एफआईआर की जा चुकी है। सहकारी कर्मचारी संघ के कई जिला अध्यक्षों पर एफआईआर की जा चुकी है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जिला अध्यक्षों को उनके जिलों में पुलिस पकड़कर थाने ले जा रही है और वहां, उन पर हड़ताल समाप्त करने का दवाब डाला जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से बचने के लिए प्रबंधक, प्रभारी यहां वहां घूम रहे हैं, इनके घरों में भी पुलिस पहुंचने का डर होने के कारण ये लोग अपने घर नहीं जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कर्मचारियों के संगठन की ओर से इन्हें सलाह दी गई है कि वे अपने घर न जाएं।

2 घंटे में किसान को भुगतान, 3 दिन में 7732.80 क्विंटल धान खरीदी

वैकल्पिक व्यवस्था के बीच उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। जिले में तीसरे दिन 56 हजार 302.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इस तरह तीन दिन में जिले में 7732.80 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। एक ओर जहां उपार्जन केंद्रों में धान की जहां बंपर खरीदी हो रही है, वहीं दूसरी ओर धान खरीदने के बाद किसानों को भी अब बेचे गए धान के बदले जल्द से जल्द राशि का भुगतान किया जा रहा है। कई किसानों को धान बेचने के दो घंटे के भीतर भुगतान किया जा रहा है।

ग्राम रीवा-भिलाई के किसान को 2 घंटे में भुगतान

जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत ग्राम रीवा एवं ग्राम भिलाई के किसान द्वारिका प्रसाद साहू के परिवार ने दोनों गांव में कुल 100 एकड़ खेत में धान बोया था। इस तरह रीवा में साढ़े तीन सौ क्विंटल और भिलाई में सौ क्विंटल धान उसने उपार्जन केंद्र में बेचा। धान बेचने के दो घंटे के भीतर ही धान की राशि उनके बैंक खाते में आ गई। इतनी जल्दी राशि मिलने से किसान ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई एवं खेती-किसानी में करेंगे।

जनजाति समुदाय का विकास भाजपा के लिए सर्वोच्च : कश्यप

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा के परिवार का सम्मान कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजाति समुदाय के लिए आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक सहित सभी क्षेत्रों में समुचित विकास कार्य कर रही है। जनजाति समुदाय का विकास भाजपा के लिए सर्वोच्च है।

श्री कश्यप ने कहा, 15 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को जनजाति गौरव दिवस की सौगात दी है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस वर्ष इस जयंती के अवसर पर लगातार महीनेभर कार्यक्रम चल रहे हैं। हमारे उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व महान विभूतियों को याद किया जा रहा है जिन्होंने समाज, संस्कृति, देश व मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। जनजाति समाज की उपेक्षा व अपमान के लिए कांग्रेस पर हमला बोलते हुए श्री कश्यप ने कहा, कांग्रेस आदिवासियों का अपमान कर रही है और आज पूरे देश से कांग्रेस ने आदिवासियों को नेतृत्व के अवसरों से वंचित कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व की मंशा है कि वह आदिवासियों को आगे बढ़ना नहीं देना चाहती इसीलिए कांग्रेस के पास आज आदिवासी नेतृत्व नहीं है जबकि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भाजपा ने जनजाति समुदाय को विशेष महत्व दिया। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुशोभित कर रही हैं। 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में उनका आगमन हो रहा है। इसी जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 19 और 20 तारीख को कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

यूथ हब को तुड़वाने की साजिश, विकास ने कहा- कांग्रेस लड़ेगी सड़क की लड़ाई

नियमानुसार बना फूड कोर्ट, मूणत को रास नहीं आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने साइंस कॉलेज यूथ हब को लेकर कहा, विधायक राजेश मूणत सिर्फ और सिर्फ अपनी जिद्द के आगे इसको तुड़वाना चाहते हैं। वे जनता को गुमराह कर रहे हैं कि नियम विरुद्ध फूड कोर्ट का निर्माण हुआ है। सच्चाई यही है कि सारे नियमों का पालन करते हुए यूथ हब का निर्माण किया गया था, जिसमें आमापारा से लेकर रविशंकर विवि तक डेवलप करना था।

जहां पर सेंट्रल लाइब्रेरी और नालंदा परिसर के पीछे स्टूडेंट के लिए बैठने की व्यवस्था, जिसमें यूथ हब निर्माण में फूडकोर्ट भी शामिल है, क्योंकि वहां पर साइंस कॉलेज, संस्कृत कॉलेज आयुर्वेदिक कॉलेज, एनआईटी, रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर, जैसे शिक्षा से जुड़ी संस्थाएं हैं। फूड कोर्ट का निर्माण भी इसीलिए किया गया है, ताकि छात्रों को कम कीमत पर खाने पीने की चीजें उपलब्ध हो वो भी एक अच्छे वातावरण में, लेकिन मूणत की को यह रास नहीं आ रहा है। वही शिक्षा विभाग से जमीन का हस्तांतरण नहीं कराया गया यह झूठ फैलाया जा रहा है।

जिस जगह यूथ हब फूड कोर्ट का निर्माण हुआ है उस जगह पर वीआईपी पार्किंग हुआ करती थी और मैदान का 1 इंच भी जमीन भी कम नहीं हुआ है। उपाध्याय ने कहा कि राजधानी के अंदर पूरे रायपुर शहर में अगर कोई व्यवस्थित यूथ हब फूड कोड है तो वो केवल साइंस कॉलेज मैदान के पास जो खुला है वही है। जहां पर किसी भी प्रकार की ट्रैफिक व्यवस्था गड़बड़ा रही और न ही किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्व के लोगों का जमावड़ा रहता है। जनता के पैसों का दुरुपयोग किसी भी हाल पर नहीं होने देंगे। चाहे इसके लिए कांग्रेस पार्टी को सदन से लेकर सड़क तक आंदोलन करना पड़ा, तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे।

जल संरक्षण

राष्ट्रपति ने रायपुर, महासमुंद, गरियाबंद समेत पांच जिलों को किया सम्मानित, नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जल संरक्षण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर, महासमुंद, बालोद, गरियाबंद और राजनांदगांव जिलों को सम्मानित किया है। मंगलवार को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार दिए गए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर कहा प्रदेश का जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार होगा प्रेरणादाई होगा।

रायपुर देश में प्रथम स्थान पाने वाला नगर निगम, पूर्वी जोन में मिला तीसरा स्थान

रायपुर जिले को जल संचय जनभागीदारी 1.0 अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ग्रहण किया। देशभर के नगर निगमों में रायपुर नगर निगम प्रथम स्थान पर रहा, जबकि ईस्टर्न जोन कैटेगरी 01 में रायपुर जिला तीसरे स्थान पर रहा। रायपुर जिले और नगर निगम ने मिलकर सामुदायिक सहभागिता को जल संचय का व्यापक अभियान बनाया। रायपुर नगर निगम द्वारा 33,082 कार्य और जिला प्रशासन द्वारा 36,282 कार्य तथा राज्य स्तर पर कुल 4,05,563 जल संरक्षण कार्य पूरे किए गए। इनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पिट्स, अमृत सरोवर, टॉप डैम एवं परकुलेशन टैंक शामिल हैं। इसी तरह तरल अपशिष्ट प्रबंधन में भी रायपुर ने दर्ज की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रायपुर में 4 एसटीपी के माध्यम से 206 एमएलडी क्षमता विकसित की गई है। 09 औद्योगिक इकाइयों को 125.849 एमएलडी शुद्ध जल आपूर्ति की जा रही है। प्रत्येक वार्ड में वर्षा जल संचयन, 20 से अधिक सरोवरों का पुनर्जीवन और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से स्मार्ट ग्राउंडवॉटर मॉनिटरिंग ने इस उपलब्धि को हासिल करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार होगा प्रेरणादाई : साय

बालोद जिला पूर्वी जोन में प्रथम, मिले 2 करोड़

बालोद को पूर्वी जोन में बेस्ट परफॉर्मिंग जिला घोषित किया गया, जिसके साथ 2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। यह सम्मान कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने ग्रहण किया। बालोद जिले ने 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तहत प्रभावशाली और बड़े पैमाने पर जल संरक्षण कार्य किए। इसके तहत 1 लाख 6 हजार 677 नई जल संरचनाएँ निर्मित की गईं। 30 हजार 849 पुराने जल स्रोतों की मरम्मत व सफाई, प्रधानमंत्री आवासों में 10 हजार वाटर रिचार्ज पिट, वन क्षेत्र में 3 लाख 88 हजार पौधरोपण, 27 हजार से अधिक घरों में स्वयं प्रेरित सोकपिट निर्माण, 1 लाख 09 हजार 27 स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच, 140 अमृत सरोवर, 6 हजार 160 निजी डबरी, 1 हजार 944 सामुदायिक तालाब, 399 मिनी परकुलेशन टैंक, 6 हजार 614 लूज बोल्डर चेक डैम, 69 स्टॉप डैम, 316 गेबियन चेक डैम, 423 कुएं निर्मित किए गए हैं।

गरियाबंद को मिला एक करोड़ का पुरस्कार

जल संचय और जन भागीदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला को जोन-1, केटगरी-2 में देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर बीएस उइके, जलसंसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन एवं सहायक अभियंता मनोज ताण्डिल्य ने प्राप्त किया। राष्ट्रीय जल संचय एवं जलभागीदारी कार्य के लिए तीसरा पुरस्कार के रूप में गरियाबंद जिले को एक करोड़ रूपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महासमुंद पूर्वी जोन में प्रथम

जल संचय एवं जन भागीदारी अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्यों के लिए पूर्वी जोन में शामिल कैटेगरी 2 अंतर्गत महासमुंद जिले को मिला प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिले को उत्कृष्ट कार्य के लिए एक करोड़ रूपए की राशि से सम्मानित किया है। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने इस पुरस्कार को ग्रहण किया।

राजनांदगांव को दो राष्ट्रीय सम्मान

राजनांदगांव जिले को एक साथ दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर जितेंद्र यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने प्राप्त किया। जनभागीदारी एवं जल संचय के उल्लेखनीय कार्यों पर 2 करोड़ का पुरस्कार दिया गया।

नवा रायपुर सीबीडी बिल्डिंग में है नया कार्यालय

वित्त मंत्री चौधरी ने राज्य जीएसटी विभाग के नए कार्यालय का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को नवा रायपुर स्थित सीबीडी बिल्डिंग के 5वें एवं 6वें तल पर निर्मित आयुक्त, राज्य कर (जीएसटी) के नए अत्याधुनिक कार्यालय भवन का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर वित्त सचिव मुकेश बंसल, चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन सतीश थौरानी एवं प्रतिनिधि, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी, सीए व बार एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित रायपुर मुख्यालय एवं विभिन्न संभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था तभी मजबूत हो सकती है, जब व्यापार तरक्की करे और व्यापारियों को सरल एवं सहयोगी कर प्रशासन मिले। राज्य सरकार जनकल्याण के कार्यों को प्रभावी ढंग से तभी आगे बढ़ा सकती है, जब राजस्व व्यवस्था सुदृढ़ हो। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जीएसटी विभाग के अधिकारी व्यापारियों की समस्याओं को समर्पण भाव से दूर करें, तकनीकी कठिनाइयों में उनकी सहायता करें और उन्हें नियमों व प्रक्रियाओं को समझने में सहयोग प्रदान करें। जनता को राहत, व्यवसाय और रोजगार को गति वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीएसटी 2.0 कर सुधारों का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों पर कर का बोझ कम करना, खपत को बढ़ावा देना, रोजगार सृजित करना और छोटे व्यवसायों व किसानों को मजबूती देना है। उन्होंने बताया कि इन सुधारों से औसत भारतीय परिवार को सालाना 25 हजार से 40 हजार तक की सीधी बचत मिलेगी, वहीं किसानों, छोटे व्यवसायियों और कारीगरों की आय में 10-20% वृद्धि संभव होगी।

उत्कृष्ट करदाताओं को किया सम्मानित

कार्यक्रम में वर्ष 2024-25 के उत्कृष्ट करदाताओं को उच्च कर भुगतान, उत्कृष्ट अनुपालन और निरंतर वृद्धि के लिए टैक्सपेयर एप्रिसिएशन अवार्ड प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वाले प्रमुख संस्थानों में महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमपीसीजी मोबाइल प्रा. लि., एनटीपीसी, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, सारडा एंड मिनरल्स, मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे, भिलाई स्टील प्लांट और एबिस फूड्स एंड प्रोटीन प्रा. लि. शामिल हैं।

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ- जिला रायपुर तहसील अभनपुर प.ह.न. 00023 नाहनाचंडी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक RD2025264416297000003

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00023 के अंतर्गत ग्राम नाहनाचंडी के वर्तमान भूमिस्वामी मंगलू राम पिता/पति-पिता बैजनाथ पता-सा. धनेली के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 803/1 (0.1500), 803/2 (0.5300), 804/1 (0.3000), 804/3 (0.4400), 805/1 (0.4700), 805/2 (0.2600) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता नंदकिशोर नौरंगे पिता/पति-मंगलू राम नौरंगे पता-म.नं. 187, सतनामी पारा ग्राम धनेली रायपुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/12/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/11/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार:
SITA SHUKLA

खबर संक्षेप

आज से तीन दिवसीय गीता ज्ञान अमृतवर्षा कथा

रायपुर। राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय 19 से 22 नवंबर तक गीता ज्ञान अमृतवर्षा कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कविता चिंतामणि कश्यप के निवास तेलीबांधा में प्रतिदिन दोपहर 3 से 6 बजे तक जारी रहेगा। कथावाचक गुरुदेव संकर्षण शरण महाराज होंगे। यह जानकारी कल्पना शुक्ला ने देते हुए बताया कि महाराज श्रीमद भागवत गीता के पवित्र उपदेशों पर आधारित इस कथा का जीवन में ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग का दिव्य संदेश का श्रद्धालु श्रवण करेंगे। कथा के अंतिम दिन 22 नवंबर को एक विशेष जल एवं पुष्प हवन का आयोजन किया जाएगा। यह पर्यावरण संरक्षण की भावना पर आधारित अनूठा अनुष्ठान भी दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होगा।

मरीन ड्राइव में निगम अमले ने जब्त किए अवैध ठेले

रायपुर। नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता और जोन 3 नगर निवेश विभाग टीम ने तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव में अभियान चलाकर 15 ठेलों को जब्त किया। सुगम आवागमन में बाधक ठेले व गुमटियों के खिलाफ यह अभियान आगे चलाया जाएगा। जोन 3 की टीम ने निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन क्षेत्र में सड़क यातायात बाधित करने वाले ठेले,गुमटी को हटाने की मुहिम शुरू की है।

पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

रायपुर। नगर निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 19 नवंबर को पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की जयंती अवसर पर बुधवार को प्रातः 11 बजे कालीबाड़ी चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री को नमन करने संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन 4 के अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम नगर निगम जोन 4 के सहयोग से आयोजित है।

चिंतित इन-सर्विस डाक्टरों को मिला मौका, पीजी काउंसिलिंग के लिए आवेदन अब 23 तक, राज्य कोटे में 360 सीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय सेवा के बोनस अंक के अपूर्ण दस्तावेजों के लिए चिंतित इन-सर्विस डाक्टरों को कमी पूरी करने का मौका मिल गया है। उनकी दिक्कतों को जानने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पीजी काउंसिलिंग के आवेदन की अंतिम तारीख 23 और संस्था चयन के लिए 24 नवंबर तय किया है। निजी और शासकीय कालेजों में राज्य कोटे की 360 सीट है। काउंसिलिंग कमेटी राज्य कोटे के साथ एनआरआई कोटे की 26 सीटों पर भी एडमिशन की प्रक्रिया पूरी करेगी।

राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में यूजी काउंसिलिंग अंतिम दौर में है। इस बीच पीजी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 18 अक्टूबर निर्धारित की थी। इस बीच शासकीय सेवा से जुड़े डाक्टरों के दस्तावेज विभिन्न कारणों से पूरे नहीं होने की बात सामने आई। छत्तीसगढ़ डाक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष डा. हीरा सिंह ने इन-सर्विस डाक्टरों की समस्या से चिकित्सा शिक्षा विभाग आयुक्त और अन्य लोगों को अवगत कराया था। इस आधार मंगलवार को पीजी काउंसिलिंग के लिए आवेदन और संस्था चयन की प्रक्रिया की अंतिम तारीख को 23 और 24 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। इस बार तीन निजी और सात शासकीय मेडिकल कालेजों में विभिन्न विषयों की एमडी-एमएस सीटों पर एडमिशन होना है। राज्य में पीजी की कुल 566 सीट है। शासकीय कालेजों की 380 में से 190 अभा. कोटे और 190 राज्य कोटे की है। निजी कालेजों की 186 में 26 सीट एनआरआई कोटे से संबंधित। ऑल इंडिया कोटे की सीटों को छोड़कर शेष सीटों में प्रवेश की प्रक्रिया राज्य की काउंसिलिंग कमेटी के माध्यम से पूरी होगी।

खास बातें

- तीन निजी मेडिकल कालेजों में कुल 186 सीट, 26 एनआरआई कोटे की
- सात शासकीय महाविद्यालयों में कुल 380 सीट, 190 अभा. कोटे की

स्पेशल स्ट्रे राउंड में 35 सीट

एमबीबीएस-बीडीएस में प्रवेश की प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। स्ट्रे राउंड के बाद दोनों विषयों की कुल 35 सीटें बाकी हैं, जिस पर एडमिशन स्पेशल राउंड के माध्यम से देने की तैयारी है। वर्तमान में निजी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की 15 और शासकीय महाविद्यालय की एक सीट खाली है। बीडीएस की कुल 19 में 6 सरकारी और 13 सीट निजी डेंटल कालेजों की है। इन सीटों में प्रवेश के लिए कुल 768 अभ्यर्थी है जिनके दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

निगम के स्वास्थ्य विभाग ने शहरभर के 70 चिन्हांकित जगहों की सूची तैयार की

स्ट्रीट डॉग को खिलाने-पिलाने 70 वार्डों में जगह तय, हरेक वार्ड में एक फीडिंग जोन, लोग बचा हुआ खाना डाल सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरभर के स्ट्रीट डॉग के लिए खिलाने-पिलाने अब वार्डवार फीडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने 70 वार्डो में जगह तय कर सूची तैयार कर ली है, जहां पर संबंधित वार्ड के लोग अपनी सुविधा अनुसार घर का बचा खाना डाल सकें। वार्ड वासियों को इसके लिए जागरूक करने नगर निगम चिन्हांकित स्थल पर बैनर पोस्टर भी लगाएगा। इस तरह 70 वार्ड में 70 फीडिंग जोन बनाना तय है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल करने नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए प्रत्येक वार्ड में स्ट्रीट डॉग की भोजन व्यवस्था के लिए एक निश्चित जगह तय की गई है, ताकि स्ट्रीट डॉग को भोजन के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। एक जोन में 7 स्थानों पर फीडिंग जोन के लिए जगह रहेगी। इस तरह 70 वार्डो में 70 जगहों का चयन किया गया है। अपर आयुक्त विनोद पांडेय ने बताया कि जोन के साथ समन्वय कर 70 जगहों को फीडिंग जोन के लिए चयनित किया है।

वार्डवासियों को जागरूक करने लगा रहे बैनर पोस्टर

वार्डवार स्ट्रीट डॉग के लिए फीडिंग जोन इन जगहों पर :

वार्ड का नाम	चिन्हांकित स्थान
संत कबीरदास वार्ड	बसंत विहार गेट नंबर 1
रातियतनलाल वार्ड	मनपुरी बाजार
बंजारी माता वार्ड	हमर अस्पताल के पास
कन्हैयालाल बाजारी वार्ड	दही हांडी मैदान
वीर शिवाजी वार्ड	खमतराई बाजार
ठक्कर बापा वार्ड	मूर्रा भट्ठी पार्षद कार्यालय के पास
बालगंगाधर तिलक वार्ड	तिलक नगर
वीरागंना अवंति बाई वार्ड	डब्लूआरएस मैदान
राजीव गांधी वार्ड	दयाभवन के सामने
रमन मंदिर वार्ड	सुलभ शौचालय के पास
दानवीर मामाशाह वार्ड	सुलभ शौचालय के पास चूनाभट्ठी
इंदिरा गांधी वार्ड	सीएसईबी ग्राउंड के पास
शहीद हेमूकालाणी वार्ड	मस्जिद के पीछे
हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड	नारायणा हास्पीटल के पास, नुक्कड़ के समीप
	मौदहापारा सामुदायिक भवन के पास

कालीमाता वार्ड ,गुरू गोविंद वार्ड	खादी ग्रामोद्योग के पास
शंकर नगर वार्ड	बीटीआई मैदान के पीछे, भोलानगर रोड
नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड	खम्हारडीह थाना के पीछे, पैठू तालाब मैदान
शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड	कैनाल रोड आनंद नगर ढाल के पास मैदान में
गुरु घासीदास वार्ड - मुक्तिधाम के सामने	मदर टेरेसा वार्ड तेलीबांधा
पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड	कैनाल रोड संजीवनी मेडिकल के पास
ब्राम्हणपारा वार्ड	सारथी चौक
स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड	धरना स्थल
मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड	नेहरू नगर चार नल के पास
सिविल लाइन वार्ड	शांतिनगर सुलभ के पास
पंडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड	पंजाबी कालोनी राम मंदिर के पास
डॉ. बिपिन बिहारी सूर वार्ड	मारवाड़ी श्मसान घाट के पास
ठाकुर प्यारेलाल वार्ड	मंगल बाजार सुलभ के पास ईदगाह भाठा
पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड	पार्षद कार्यालय के पास रोहणीपुरम तालाब
पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड	सुंदरनगर चौक लक्ष्मी मेडिकल के पास
महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड	बंधवा तालाब शिवमंदिर के पास, प्रगति नगर
वामनराव लाखे वार्ड	दशहरा मैदान, कुशालपुर, संतोषी चौक के पास
भक्त कर्मा माता वार्ड	गिट्टी खदान गार्डन के पास, खाली जगह, न्यू चंगोराभाठा
डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड	बाजार चौक, स्कूल के पास चंगोराभाठा
शहीद पंकज विक्रम वार्ड	कब्रिस्तान के पीछे

गुरु घासीदास कॉलोनी में दो दिवसीय मनाई जाएगी जयंती, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

रायपुर। गुरु घासीदास कॉलोनी स्थित उद्यान प्रांगण में दो दिवसीय 17 और 18 दिसंबर को गुरु घासीदास जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय गुरु घासीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था कार्यालय में मंगलवार को समाज की बैठक में लिया गया। साथ ही कालोनीवासी महिलाओं एवं बच्चों द्वारा दो दिवसीय जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान बैठक में बताया कि 17 दिसंबर को महिलाओं एवं बच्चों द्वारा आयोजित रंगारंग कार्यक्रम के विजेता को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे को आमंत्रित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। 18 दिसंबर को सार्वजनिक गुरु घासीदास जयंती समारोह का आयोजन एवं आदमकद जैतखाम में पालो चढ़ाया जाएगा। बैठक में एसके सोनवानी, शकुंतला डेहरे, एलएल कोशले, एएल जोशी, सीएल जांगड़े, मिलन बंजारे, कुलदीप जांगड़े, एनआर कुशवाहा, विनोद देवांगन, डॉ. हीरामन बंजारे, कृष्ण कुमार कोसले एवं कालोनी निवासी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

- गुरु घासीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था की हुई बैठक

मोटर वर्कशाप में कचरा उठाने वाली गाड़ी 8 माह से, मरम्मत नहीं करा रहा निगम

रायपुर। टिकरापारा के मोटर वर्कशाप में नगर निगम की कचरा उठाने वाली गाड़ी कंडम हालत में खड़ी है। 8 माह से इस गाड़ी की मरम्मत नहीं कराई जा रही है, बल्कि खड़े वाहन पर मिट्टी डालकर रख दिया गया है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने मंगलवार को मोटर वर्कशाप का दौरा किया। इसमें यह बात सामने आई कि नगर निगम अपनी ही संपत्ति की देखरेख को लेकर ध्यान नहीं दे रहा है। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष का कहना है कि मोटर वर्कशाप में कई कंडम गाड़ियां खड़ी हुई हैं, जिनका उपयोग नहीं हो रहा है। इन्हीं गाड़ियों में ट्रक कांपेक्टर भी है जिसका नंबर सीजी 04 जेई 0902 है। नगर निगम की लापरवाही से यह गाड़ी 8 से 9 माह से मोटर वर्कशाप में बिना उपयोग के

खड़ी है। खड़े वाहन पर मिट्टी डालकर उसे खराब करने का आरोप आकाश तिवारी ने लगाया है। उन्होंने कहा कि गाड़ी की बाजार कीमत 50 लाख के आसपास है। जानकारी की तो पता चला कि 4 से 5 लाख रुपए खर्च करने पर यह गाड़ी सुचारू रूप से चलने लगेगी।

दो महीने में अमृत भारत एक्सप्रेस के बढ़े यात्री, अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी ट्रेन

रायपुर। ओडिशा से गुजरात के बीच चल रही अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की संख्या महज दो महीने में दोगुनी हो गई है। इसी को देखते हुए रेलवे ने इस ट्रेन का परिचालन अब सप्ताह में तीन दिन करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन रायपुर से होकर गुजरने वाली पहली अमृत भारत एक्सप्रेस है, जिसका ठहराव रायपुर के साथ दुर्ग और गोंदिया में भी होता है। इस ट्रेन में जनरल कोच की संख्या अधिक होने के कारण बड़ी संख्या में यात्री सफर करना पसंद करते हैं। पहले यह ट्रेन सप्ताह में सिर्फ एक दिन चलती थी, लेकिन

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए अब इसे हर रविवार, बुधवार और शुक्रवार को चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 19021, उधना–ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस, 19 नवंबर 2025 से उधना से सुबह 07:10 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 13:55 बजे ब्रह्मपुर पहुंचेगी।

ब्रह्मपुर से 20 से मिलेगी सुविधा : यह ट्रेन 19022 ब्रह्मपुर–उधना अमृत भारत एक्सप्रेस 20 नवंबर 2025 से हर सोमवार, गुरुवार और शनिवार को रात्रि 23:45 बजे ब्रह्मपुर से रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 08:45 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन रायपुर (14:55/15:05), दुर्ग (15:50/15:55), और गोंदिया (17:55/18:00) होते हुए आगे बढ़ेगी।इस ट्रेन के वाणिज्यिक ठहराव में बारडोली, व्यारा, नवापुर, नंदुरबार, डोंडिचा, सिधखेड़ा, अमलनेर, धारंगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बड़नेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, रायपुर, लक्ष्मण, खरियार रोड, कांटाभांजी, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायरंगपुर, पार्वतीपुरम, बोबीली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड और पलासा स्टेशन शामिल हैं।

अमृत भारत ट्रेन की विशेषताएं

ओडिशा से गुजरात तक सीधी और तेज रेल कनेक्टिविटी, जिससे यात्रियों का यात्रा समय कम लगता है।
खनिज, वस्त्र, औद्योगिक व व्यापारिक क्षेत्रों को जोड़कर आर्थिक एवं औद्योगिक गतिशीलता को प्रोत्साहन।
आधुनिक एलएचबी कोचों से युक्त, आरामदायक यात्रा अनुभव जिसमें बेहतर सीटिंग और ऑनबोर्ड सुविधाएं हैं।
पूर्वी, मध्य और पश्चिम भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ कर रही है।

बिजनेस साइट

छत्तीसगढ़ सहकारिता सम्मेलन 2025 में नाबार्ड ने पेश की विकास की नई रूपरेखा

रायपुर। नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में 'छत्तीसगढ़ सहकारिता सम्मेलन 2025' का भव्य आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य राज्य में सहकारिता विकास को नई दिशा देना और सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण हेतु भविष्य की रणनीति तैयार करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू थे। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ज्ञानेन्द्र मणि, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां कुलदीप शर्मा, अपेक्स बैंक के एमडी केएन कांडे सहित विभिन्न संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. मणि ने बताया कि देश में 8.5 लाख सहकारी समितियां 30 करोड़ ग्रामीणों से जुड़ी हैं और छत्तीसगढ़ की 2028 प्राथमिक सहकारी संस्थाओं का कंप्यूटरीकरण पूरा किया जा चुका है। मंत्री तोखन साहू ने नाबार्ड की 'मॉडेल सहकारिता ग्राम' पहल की सराहना की और इसके राज्यभर में विस्तार का आग्रह किया। सम्मेलन में सहकारिता की आर्थिक भूमिका पर तकनीकी सत्र एवं पैनल चर्चा आयोजित हुई। नाबार्ड समर्थित एफपीओ, एसएचजी एवं ओएफपीओ उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। सम्मेलन में राज्य की प्रथम कंप्यूटरीकृत सहकारी संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स में निशुल्क फेफड़ा स्वास्थ्य जांच शिविर आज

रायपुर। विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने 19 नवंबर से 31 तक निशुल्क फेफड़ा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य सीओपीडी सहित विभिन्न श्वसन रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को समय पर फेफड़ों की जांच के लिए प्रेरित करना है। अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे मुफ्त पैकेज में पल्मोनोलॉजिस्ट परामर्श, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी), 6-मिनट वॉक टेस्ट, चेस्ट एक्स-रे और फिजियोथेरेपी परामर्श शामिल हैं। आवश्यकता होने पर मरीजों को चेस्ट सीटी स्कैन 50% रियायती दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल के मैनेजिंग एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने इसे निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अस्पताल ने नागरिकों से अग्रिम अपॉइंटमेंट बुक करने की अपील की है।

हिअरजॅप का निशुल्क बहरापन जांच एवं परामर्श शिविर 23 नवंबर तक

रायपुर। हिअरजॅप द्वारा छत्तीसगढ़ के कई शहरों में 23 नवंबर तक निशुल्क बहरापन जांच और परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष कैंप में अनुभवी श्रवण विशेषज्ञ आधुनिक उपकरणों की मदद से कानों की सुनने की क्षमता की जांच करेंगे तथा उपचार संबंधी आवश्यक सलाह भी बिल्कुल मुफ्त प्रदान करेंगे। शिविर में आने वाले लोगों को श्रवण यंत्रों पर विशेष छूट, स्पीच थेरेपी की सुविधा और कॉक्लियर इम्प्लांट परामर्श भी उपलब्ध रहेगा। यह शिविर मंगलवार से शनिवार तक सुबह 11 बजे से शाम 7.30 बजे तक तथा रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा। हिअरजॅप द्वारा यह शिविर रायपुर के शंकर नगर और कचहरी चौक सहित अंबिकापुर, भिलाई, बिलासपुर, धमतरी, जगदलपुर, कोरबा पर लगाया जाएगा।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में मस्तिष्क रोगों की जांच के लिए निशुल्क शिविर 22 नवंबर को

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल 22 नवंबर को निशुल्क ईईजी टेस्ट शिविर आयोजित करने जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जिसमें अत्याधुनिक मशीनों से मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों की जांच की जाएगी। ईईजी टेस्ट के जरिए मिर्गी, दौरे, नींद विकार, डिप्रेशन और संज्ञानात्मक कमजोरी जैसी बीमारियों का प्रारंभिक आकलन संभव होता है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि लोग कई बार सिरदर्द, तनाव या चक्कर को सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं, जबकि ये गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। उनके अनुसार ईईजी एक सुरक्षित व त्वरित प्रक्रिया है, जो मस्तिष्क की सूक्ष्म गतिविधियों में भी बदलाव पकड़ लेती है।

शिवोम के विद्यार्थियों ने किया उदंती-सीतानदी अभयारण्य का शैक्षिक भ्रमण

रायपुर। शिवोम विद्यालय के विद्यार्थियों ने रायपुर से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित उदंती–सीतानदी अभयारण्य का शैक्षिक भ्रमण किया। प्राकृतिक संपदा और समृद्ध जैव विविधता से भरपूर यह क्षेत्र बाघ, तेंदुए तथा दुर्लभ एशियाई जंगली भैंसे के संरक्षण के लिए जाना जाता है। पर्यावरण, वन्यजीवन और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस भ्रमण ने बच्चों को वास्तविक प्रकृति से रूबरू कराया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे शैक्षिक दौरों से विद्यार्थियों में व्यावहारिक सीख, अनुशासन, टीमवर्क और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। यात्रा के सभी चरण शिक्षकों और गाइड्स की देखरेख में सुरक्षित रूप से सम्पन्न हुए।

'आवास मेला 2025' के लोगो का अनावरण, नागरिकों को मिलेंगी एक ही स्थान पर सभी आवासीय सुविधाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय 'आवास मेला 2025' के लोगो का मंडल मुख्यालय में मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने अनावरण किया। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त अवनीश शरण सहित मंडल के अधिकारी और कर्मचारी प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री सिंह देव ने कहा कि सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ आवास उपलब्ध कराना मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आवास मेला इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जहां बोर्ड की सभी योजनाएं और संपत्तियां एक ही स्थान पर लोगों को जानकारी हेतु उपलब्ध होंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में 2000 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत का उल्लेख किया। 23 से 25 नवंबर तक रायपुर के बीटीआई ग्राउंड में आयोजित होने वाले मेले में आवंटी पोर्टल का शुभारंभ, सिर्फ 1% राशि में भवन बुकिंग, साइट विजिट और बैंक लोन सुविधा उपलब्ध होगी। बीआईएस सहित कई निर्माण संबंधी स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

बीएमसी में सिकलसेल एनीमिया का पहला हाफ-मैच्ड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट सफल

रायपुर। नवा रायपुर स्थित बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने सिकलसेल एनीमिया के लिए छत्तीसगढ़ का पहला हैप्लो-आइडेंटिकल (हाफ-मैच्ड) स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कर राज्य में चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। अस्पताल ने 16 वर्षीय मरीज का ट्रांसप्लांट उसके पिता से प्राप्त हाफ-मैच्ड स्टेम सेल के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा किया। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज की रिपोर्ट में 98.6% डोनर काइमेरिज्म मिला है, जिससे वह अब पूरी तरह लक्षण-मुक्त है। बीएमसी के हीमेटो-ऑंकोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. दिब्येंदु डे और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के डॉ. नीलेश जैन ने इसे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि अब जटिल उपचारों के लिए मरीजों को महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

खबर संक्षेप

100 गर्भवती महिलाओं का होगा पुंसवन संस्कार

रायपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार हरिद्वार के मार्गदर्शन और निर्देशन में सिलघट में आयोजित होने वाली 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और 1100 गर्भवती महिलाओं के पुंसवन संस्कार के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आमंत्रित किया गया है। गायत्री परिवार ट्रस्ट समता कॉलोनी रायपुर के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के अंतर्गत सिलघट में दिसंबर माह में 10 से 13 दिसंबर तक 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ ही 1100 महिलाओं का पूंसवन संस्कार होगा। पुंसवन संस्कार का मतलब गर्भवती महिलाओं के पेट में जो बच्चा है, वह संस्कारवान और गुणवान बने, इसके लिए गायत्री परिवार द्वारा पुंसवन संस्कार का आयोजन किया जाएगा। आगे उन्होंने यह भी बताया कि 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के दौरान 108 जोड़ों का सामूहिक विवाह का कार्यक्रम भी गायत्री परिवार द्वारा रखा गया है, जिसमें प्रमुख रूप से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे, जिसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी द्वारा इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्हें आमंत्रित किया गया है।

नियमित नहीं हुआ वेतन भुगतान

रायपुर। शासन से मिले आश्वासन के बाद हड़ताल से वापस लौटे एनएचम के संविदा कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि नियमित वेतन नहीं होने की वजह से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। वेतन भुगतान संबंधी शिकायत किए पर जिम्मेदारों द्वारा उन्हें संतोषपूर्ण जवाब नहीं दिया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष डा. अमित मिरी ने बताया कि हड़ताल की कार्यवाही शून्य करने के बाद भी उन्हें उस अवधि के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा हड़ताल अवधि के दौरान जिन 25 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया था उन्हें भी अब तक काम पर वापस नहीं लिया गया है। इन मांगों को लेकर कई बार जिम्मेदारों से मुलाकात की जा चुकी मगर उनकी मांग अभी भी अधूरी है।

आईपीएचएल लैब को एनक्यूए सर्टिफिकेट

रायपुर। राज्य की प्रथम इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (आईपीएचएल) जिला अस्पताल पंडरी ने 90 प्रतिशत स्कोर के साथ नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस प्रमाणन हासिल कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हमर लैब के नाम से मशहूर इस लैब में प्रतिदिन 3 हजार से ज्यादा जांच, विश्वसनीय रिपोर्ट और अत्याधुनिक सेवाएं मिलती है। इसके माध्यम से रायपुर जिले के साथ पड़ोस के जिलों से भी की तरह के सैंपल जांच के लिए पहुंचते हैं। यहां जिला अस्पताल के साथ विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों से भेजे जाने वाले सैंपलों की जांच की जाती है।

छग क्रिकेट संघ को मिली 30 साल की जिम्मेदारी, अब टेस्ट और इंटरनेशनल मैच की बढ़ेगी संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने मंगलवार को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नया रायपुर के दीर्घकालीन संचालन, उन्नयन और अधिकतम उपयोग के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह निर्णय राज्य कैबिनेट द्वारा पूर्व में अनुमोदित किया गया था। समझौता ज्ञापन पर राज्य शासन की ओर से खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर बलदेव सिंह भाटिया ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध खेल विभाग के संचालनालय स्थित सभा कक्ष में संपन्न हुआ। बता दें कि वर्ष 2008 में निर्मित यह स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। बावजूद इसके, यह लंबे समय से पर्याप्त राजस्व उत्पन्न नहीं कर पाया।

वहीं, इसके रखरखाव पर सरकार को हर वर्ष लगभग 3-4 करोड़ रुपये का व्यय वहन करना पड़ता रहा है। समझौते के तहत अब छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ स्टेडियम के संपूर्ण संचालन, रखरखाव और उन्नयन की जिम्मेदारी संभालेगा। इससे न सिर्फ शासन पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि स्टेडियम को प्रोफेशनल मैनेजमेंट के तहत और अधिक आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा सकेगा।

हर अंतर्राष्ट्रीय मैच पर 20 लाख और आईपीएल पर 30 लाख सरकार को देगा संघ

1.5 करोड़ रुपये का भुगतान राज्य शासन को करेगा

एम.ओ.यू. अनुसार राज्य शासन द्वारा स्टेडियम की 30 वर्षों की लीज दी गई है। संचालन संभालने के साथ, स्टेडियम को टेस्ट मैच स्टेटस दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही उक्त अनुबंध निष्पादन से राज्य में अधिक से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजनो में वृद्धि होने की प्रबल संभावना निर्मित होगी। समझौते के प्रमुख तथ्यो के अनुसार,संघ हर वर्ष 1.5 करोड़ रुपये का भुगतान राज्य शासन को करेगा, जिसमें हर तीन वर्ष में स्वचालित वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मैच के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच पर 20 लाख रुपये तथा आईपीएल मैच पर 30 लाख रुपये का भुगतान सरकार को किया जाएगा, जिसमें भी हर तीन वर्ष में वृद्धि होगी। यह मॉडल राज्य सरकार के लिए एक ओर स्थायी और बढ़ता हुआ राजस्व सुनिश्चित करेगा तथा दूसरी ओर स्टेडियम का उपयुक्त रखरखाव भी करेगा तथा राज्य में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक अंतर्राष्ट्रीय मैचो के आयोजन का रस्ता खोलेगा।

नयापारा में खाली स्थान पर बनाने की तैयारी, अंडरग्राउंड वायरिंग से बनेगा 33/11 केवी का सब स्टेशन

जीआईएस तकनीक से राजधानी में बनेगा पहला 33/11 केवी का सब स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी ने प्रदेश में पहली बार राजधानी रायपुर में जीआईएस तकनीक से 33/11 केवी का सब स्टेशन बनाने का फैसला किया है। इसके लिए नयापारा बिजली दफ्तर के स्थान को फाइनल किया गया है। यहां पर दो फीडर बनेंगे। इसमें से एक फीडर में पुराने मंत्रालय के सब स्टेशन और दूसरे फीडर में ईदगाह भाठा के सब स्टेशन से 33 केवी की अंडर ग्राउंड लाइन आएगी। जीआईएस तकनीक की खासियत यह है कि इसमें सामान्य सब स्टेशन में लगने वाले स्थान का महज 30 फीसदी स्थान ही लगता है। राजधानी में वैसे भी स्थान की कमी है। ऐसे में अब राजधानी में बढ़ते लोड को देखते हुए आने वाले समय में जीआईएस तकनीक से ही सब स्टेशन बनाने का काम होगा।

पॉवर कंपनी की कंपनियों में ट्रांसमिशन कंपनी के हिस्से में 132/33 और इससे ज्यादा क्षमता के सब स्टेशन बनाने का काम आता है। 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम पॉवर वितरण कंपनी करती है। अब तक पॉवर वितरण कंपनी ने प्रदेश भर में जो भी 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम किया है, सभी सामान्य तकनीक से बनाए गए हैं।

लगातार बढ़ रहा है लोड

पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है राजधानी रायपुर में लगातार लोड बढ़ रहा है। ऐसे में अब इसके लिए नए सब स्टेशन बनाने की जरूरत है। लेकिन नए सब स्टेशन के लिए बड़े स्थान नहीं मिल पाते हैं। यही वजह है कि अब जीआईएस तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। नयापारा के दफ्तर में करीब तीन हजार वर्ग फीट जमीन पड़ी है। इस पर ही 33/11 केवी के सब स्टेशन बनाकर इसमें दो फीडर बनाए जाएंगे। ये फीडर 10-10 एमवीए के होंगे। जहां एक फीडर के लिए पुराने मंत्रालय के सब स्टेशन से 33 केवी की लाइन को अंडरग्राउंड लाने की योजना है, वहीं दूसरे फीडर के लिए ईदगाह भाठा के सब स्टेशन से अंडर ग्राउंड लाइन लाई जाएगी। इसका पूरा स्टीमेट बनाकर पॉवर कंपनी के पास भेजा गया है। इसकी मंजूरी मिलते ही टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी।

कम स्थान में बनेगा सब स्टेशन

राजधानी रायपुर में नए सब स्टेशन बनाने के लिए अब स्थान की कमी होने लगी है। ऐसे में पॉवर वितरण कंपनी ने फैसला किया है कि आने वाले समय में कम स्थान में बनने वाले सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाए जाएंगे। इस तकनीक से ट्रांसमिशन कंपनी ने रावणभाठा में 2016 में 132/33 केवी का 63 एमवीए वाला सब स्टेशन बनाया था जो बीते 9 साल से अच्छे से चल रहा है। एक तरफ जहां ट्रांसमिशन कंपनी अब 400 केवी के दो नए सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाने की योजना पर काम कर रही है, वहीं वितरण कंपनी ने भी अब इस तकनीक को अपनाने का फैसला किया है।

मंजूरी का इंतजार

प्रदेश में वितरण कंपनी का पहला जीआईएस सब स्टेशन रायपुर में बनाने के लिए स्टीमेट तैयार हो गया है। बस मंजूरी का इंतजार है, इसके बाद टेंडर करके काम प्रारंभ करेंगे।
भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

क्या है जीआईएस तकनीक

इस तकनीक के बारे में पॉवर कंपनी के अधिकारी बताते हैं सामान्य तकनीक एयर इंसुलेटेड होती है, जबकि जीआईएस तकनीक गैस इंसुलेटेड रहती है। इसमें सल्फर हेक्साफ्लोराइड से इंसुलेटेड करके ऊर्जा को नियंत्रित और सप्लाई किया जाता है। इसमें जिस गैस का इस्तेमाल किया जाता है, वह 40 साल तक खराब नहीं होती है। इसी के साथ इसमें सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि इसमें स्थान बहुत कम लगता है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक जीआईएस पूरी तरह इंडोर होता है। सिस्टम में बड़ी-बड़ी पाइप लाइनें होती हैं, जिसमें गैस भरी जाती है। इसमें सब स्टेशन के उपकरण स्टॉल किए जाते हैं। ऑटोमेटिक सिस्टम से लैस इसे कंप्यूटर या लैपटॉप से संचालित किया जाता है। जिसमें न अधिक कर्मचारी की जरूरत होती है और न ही अधिक मेंटेनेंस की।

रेलवे स्टेशन पर बांटे पांपलेट बताया-कैसे हो रही वोट चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला युवा कांग्रेस द्वारा रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष तरह का विरोध-प्रदर्शन करते हुए लोगों को पंप्लेट और पोस्टर बांटे। इसके माध्यम से उन्होंने शासन पर आरोप लगाते हुए बताया कि किस तरह से उनके वोट चोरी हो रहे हैं। इसके अलावा बिजली बिल वृद्धि के आरोपों को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा व निर्वाचन आयोग की 'साठगांठ से वोट चोरी' के गंभीर आरोपों और बिजली बिल में लगातार की जा रही वृद्धि के मुद्दों को जनता तक पहुंचाया। कार्यकर्ताओं द्वारा बांटे गए पम्पलेट और पोस्टर में इन दोनों मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। इस प्रदर्शन का नेतृत्व युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद कश्यप ने किया। प्रदेश प्रभारी अमित पठानिया और सह-प्रभारी डॉ. मोनिका मंडरे भी उपस्थित रहीं।

जनता तक पहुंचे बात

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कहा, हम साथ मिलकर जनता के बीच पहुंचे हैं। हमारे नेता राहुल गांधी लगातार सबूतों के साथ भाजपा और चुनाव आयोग पर देशभर में वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। इसके विरोध में आज हमने आम जनता को जागरूक किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद बिजली बिलों में निरंतर बढ़ोतरी की गई है और कांग्रेस सरकार की हाफ बिजली बिल योजना भी सीमित कर दी गई है। जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। युवा कांग्रेस चरणबद्ध तरीके से इन जनहित के मुद्दों को उठा रही है और आगे भी ऐसे अभियानों को जारी रखेगी। प्रदेश महामंत्री गुलजेब अहमद, जिलाध्यक्ष ग्रामीण सजल चंद्राकर, प्रदेश सचिव अपराजिता तिवारी सानू राजा आदि भी उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव को लेकर युवाओं में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों के समूह बनाकर फीट इंडिया और खेलो इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। 19 वर्ष आयु से कम एवं 19 वर्ष आयु से अधिक वर्ग की महिला व पुरूष टीमो की कबड्डी खो-खो, वॉलीबाल, बास्केटबॉल, शतरंज, कुश्ती, फुगड़ी, गेड़ी, रस्सी कूद की प्रतियोगिता आयोजित हुई। 13 खेल विधाओं में 4-4 टीमों ने भाग लेते हुए विजेता बनने जोर लगाया। रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में फाइनल ग्रैण्ड फिनाले 29 नवंबर को आयोजित है। मंगलवार को होलीक्रॉस कांपा स्कूल खेल मैदान में कबड्डी और खोखो की प्रतियोगिता में 45 से 50 टीमें बालक और बालिका वर्ग में शामिल हुई। इस दौरान रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। आयोजन स्थल पर एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन, जोन 9 अध्यक्ष गोपेश साहू, जोन 10 अध्यक्ष सचिन मेघानी, वार्ड पार्षद देवदत्त द्विवेदी सहित अपर आयुक्त विनोद पांडे, जोन 9 कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर, जोन 10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

- होलीक्रॉस कापा में कबड्डी, खो खो में बालक-बालिका वर्ग से टीमों ने किया रोमांचक प्रदर्शन

स्वदेशी संकल्प यात्रा का छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव से प्रवेश 27 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देशभर में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की अलख जगाने कैट और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। 27 नवंबर को यह यात्रा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से प्रदेश में प्रवेश करेगी। उसी दिन राजनांदगांव से भिलाई तक स्वदेशी संकल्प यात्रा भव्य स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रमों की तैयारी और समीक्षा को लेकर मंगलवार को स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक सतीश कुमार कैट के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस मौके पर उन्होंन आयोजन की तैयारियों और स्वागत कार्यक्रमों की समीक्षा कर तथा टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छ.ग. इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि पंडरी स्थित कैट के प्रदेश कार्यालय में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक सतीश कुमार का पुष्पगुच्छ एवं शाल देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर सतीश कुमार की अध्यक्षता में कैट एवं स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों की बैठक हुई। अमर पारवानी ने बताया कि 28 नवंबर को राजधानीमें विभिन्न व्यापारिक संगठन संयुक्त रूप से इस ऐतिहासिक यात्रा का भव्य स्वागत करेंगे। इसके साथ ही व्यापारियों, उपभोक्ताओं, किसानों, युवाओं और आम नागरिकों को स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह यात्रा पूरे छत्तीसगढ़ में 2500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी।16 दिसंबर को यात्रा में शामिल टोली महाराष्ट्र की ओर प्रस्थान करेगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य -स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता, स्थानीय व्यापार और किसानों को प्रोत्साहन, आर्थिक आत्मनिर्भरता का संदेशजन-जन तक पहुंचाना है।

रायपुर संभाग के सहकारी समिति कर्मचारियों ने महासमुंद में जेल भरो आंदोलन कर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के सहकारी समिति कर्मचारी और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितिकालीन हड़ताल पर हैं। मंगलवार को रायपुर संभाग के 5 जिलों के हड़ताली कर्मचारियों ने महासमुंद के लोहिया चौक स्थित धरना स्थल से जेलभरो आंदोलन के तहत रैली निकाली और प्रतीकात्मक गिरफ्तारी देकर संभागस्तरीय प्रदर्शन किया। जेल भरो आंदोलन में रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के हजारों कर्मचारी शामिल हुए। हड़ताली कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वे सामूहिक इस्तीफा देने बाध्य होंगे।

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ और छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर संघ के आव्हान पर 3 नवंबर से सहकारी समितियों के 15 हजार कर्मचारी और 2700 कंप्यूटर आपरेटर हड़ताल पर हैं। 4 सूत्रीय मांगों को लेकर इन दिनों संभागस्तरीय आंदोलन किया जा रहा है। रायपुर संभाग के हड़ताली कर्मचारियों को नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर संभागस्तरीय धरना की अनुमति नहीं मिलने से वे महासमुंद के लोहिया चौक में संभागस्तरीय धरना दे रहे हैं। मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने महासमुंद के लोहिया चौक स्थित धरना स्थल से बड़ी संख्या में जेल भरो आंदोलन में शामिल हुए। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के नाम एसडीएम को मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

धरना प्रदर्शन में शामिल सहकारी समिति कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें नियमित रूप से वेतन नहीं दिया जा रहा है। कंप्यूटर आपरेटरों को 12 माह के स्थान पर राज्य शासन केवल 6 माह का वेतन देने तैयार है। इससे प्रदेश भर के सहकारी समिति के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। सहकारी समिति कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार साहू, धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर संघ के अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे ने बताया कि सहकारी समिति के कर्मचारियों का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

- 4 सूत्रीय मांगों को लेकर संभागस्तरीय प्रदर्शन
- रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के कर्मचारी जेल भरो आंदोलन में हुए शामिल
- मांग पूरी नहीं होने पर सामूहिक इस्तीफा की दी चेतावनी

प्रसूताओं को बांटे गए फलदार पौधे

रायपुर। जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान के तहत शासकीय अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को फलदार पौधे भेंट स्वरूप दिए जा रहे हैं, ताकि एक नई जिंदगी के आगमन के साथ एक नया वृक्ष भी धरती पर जन्म ले। इस कड़ी में मंगलवार को 24 प्रसूताओं को कुल 120 फलदार पौधे बांटे गए। इनमें क्रमशः अभनपुर में 2, आरंग 4, एमसीएच कालीबाड़ी हॉस्पिटल 12, उरला बिरगांव 3, मंदिर हसौद में 5 प्रसूताओं को ये पौधे दिए गए।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

पेज 9 के शेष

शादी-ब्याह के सीजन ...

लगी है और कई यात्री टिकटों की बुकिंग भी कराने लगे हैं।

दिल्ली-मुंबई के लिए होगी 16 उड़ान-रायपुर विमानतल से सबसे ज्यादा यात्री दिल्ली और मुंबई के लिए सफर करते हैं। यात्रियों की संख्या को ध्यान रखते हुए इन सेक्टरों में विमानों की संख्या भी समय के साथ बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में रायपुर-दिल्ली के बीच सर्वाधिक संख्या में घरेलू उड़ानों का संचालन करने वाली इंडिगो 5 फ्लाइट के साथ नियमित रूप से 10 बार आवाजाही करती है। वहीं एयर इंडिया का तीन विमान 6 बार दिल्ली-रायपुर के बीच आनाजाना करता है। अभी मुंबई-रायपुर के बीच 3 फ्लाइट चल रही जिनकी संख्या आने वालों दिनों बढ़ने की पूरी संभावना है।

पीएम प्रवास के दौरान 61 हजार यात्री-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास और राज्योत्सव के दौरान विमानों के माध्यम से काफी लोगों ने आवाजाही की थी। 27 अक्टूबर से 2 नवंबर यानी सात दिनों में कुल 61 हजार लोगों ने रायपुर आनेजाने के लिए विमानों का उपयोग किया था। इस अवधि में कुल 426 बार विमानों की आवाजाही हुई। इनमें 28270 लोगों को विभिन्न शहरों से रायपुर आना हुआ और 32 हजार 730 लोग दूसरे शहरों के लिए रवाना हुए। अक्सर त्योहारी और छुट्टियों के सीजन में यात्रियों की संख्या इतनी होती है।

यात्रियों की संख्या बढ़ी

दिवाली पश्चात कुछ दिनों तक बुकिंग का काम ठंडा था। शादी का सीजन शुरू होने के बाद यात्री लौटे हैं साथ ही छुट्टियों के टूर पैकेज की बुकिंग भी शुरू होने लगी है। समय की बचत को ध्यान में रखते हुए मध्यम वर्ग भी यात्रा के लिए विमानों का चयन कर रहे हैं।

- हरेन्द्र व्यास, संचालक, व्यास ट्रैवल्स

शीतलहर से राहत ...

राज्य में इस अवधि में उत्तर की शुष्क और ठंडी हवा का सीधे प्रवेश हुआ था, जिससे पारा लगातार लुढ़कता रहा। अब हवा पूर्व दिशा से होकर प्रदेश में आएगी, जिससे न्यूनतम तापमान बढ़ेगा और ठंड कम होगी। अनुमान है कि सप्ताहभर बढ़ती ठंड पर ब्रेक लगने की वजह से सरगुजा सहित उन इलाकों में भी राहत मिलेगी, जहां शीतलहर के हालात बने हुए हैं। बीते चौबीस घंटे में अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक पहुंचा, जिससे वहां कड़ाके की ठंड की स्थिति बनी रही। शहर में तापमान सामान्य से 3 डिग्री नीचे होने की वजह से यहां भी ठंड का माहौल बना रहा। वर्तमान में राज्य में दिन का तापमान 27 से 30 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है।

सिर्फ गणित नहीं,...

भी इस सूची में शामिल हो जाएगा।

विज्ञान और गणित चुनने के लिए पात्र-मैथ्स और साइंस दोनों सब्जेक्ट का बेसिक स्तर सिर्फ उन छात्रों के लिए जिनके लिए ये दोनों सब्जेक्ट खास भूमिका नहीं निभाते हैं। सरल भाषा में समझाएं तो जिन छात्रों को ऐसे क्षेत्र में नहीं जाना है, जहां के लिए मुख्य सब्जेक्ट मैथ्स या साइंस जरुरी है, वे इसका चुनाव कर सकते हैं। वहीं, एडवांस्ड स्तर एक तरह से उच्च स्तर पढ़ाई की तरह है, जिसमें साइंस और मैथ्स दोनों के बारे में ज्यादा गहराई के साथ पढ़ाया जाएगा। इसे पढ़ने वाले छात्र इंजीनियरिंग या अन्य वैज्ञानिक स्ट्रीम में कॅरियर बनाने अर्थात 11वीं-12वीं में विज्ञान और गणित लेने के लिए पात्र होंगे।

बिना अनुमति चौपाटी ...

समय से दुकान चला रहे 32 मैकेनिक दुकानदारों पर भी संकट मंडराने लगा है। रेलवे ने इन्हें भी नोटिस जारी किया है। दुकानदारों का कहना है कि चौपाटी शिफ्टिंग पहले ही विलंब से चल रही थी और अब रेलवे नोटिस से उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इस मामले में महापौर मीनल चौबे ने स्पष्ट किया है कि रेलवे द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद फिलहाल चौपाटी शिफ्टिंग की प्रक्रिया रोक दी गई है। उन्होंने बताया कि नगर निगम इस मुद्दे पर रेलवे प्रशासन से बातचीत कर समाधान निकालने की दिशा में प्रयास करेगा।

हरिभूमि
रायपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

ठंड के दस्तक ने बढ़ाई स्वेटर, जैकेट....

एजुकेशन अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग में प्रोजेक्ट स्टाफ पदों पर निकली भर्ती, आवेदन 24 नवंबर से होंगे स्टार्ट

रायपुर। सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से प्रोजेक्ट पोजीशन के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 24 नवंबर से स्टार्ट की जाएगी जो निर्धारित अंतिम तिथि 14 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगी। भर्ती में शामिल होने के लिए इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी तय तिथियों के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से ऑफिशियल वेबसाइट mausam.imd.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकेंगे, ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नहीं होंगे।इस भर्ती में भाग लेने के लिए पदानुसार अभ्यर्थी ने M.Sc./ B.Tech + Doctorate/ M.Tech / साइंस, कंप्यूटर, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलिकॉम में बैचलर डिग्री/ बैचलर के साथ कंप्यूटर स्किल वाले अभ्यर्थी फॉर्म भर सकते हैं। कुछ पदों के लिए निर्धारित अनुभव की मांग भी की गई है। इसके अलावा पद के अनुसार उम्मीदवार की अधिकतम उम्र 14 दिसंबर 2025 को ध्यान में रखते हुए 30/ 35/ 40/ 45/ 50 साल से ज्यादा न हो। सभी पदों की विस्तृत योग्यता के लिए अभ्यर्थी नोटिफिकेशन का अवलोकन कर सकते हैं।

एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट के लिए आवेदन शुरू

*इंडियन एयरफोर्स की ओर से एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आज यानी 17 नवंबर से स्टार्ट कर दी गई है। जो भी अभ्यर्थी इस एग्जाम की तैयारियों में लगे हैं वे इसमें शामिल होने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट **afcat.cdac.in** पर जाकर आवेदन पत्र भर सकते हैं। फॉर्म केवल ऑनलाइन ही भरा जा सकता है, अन्य किसी भी प्रकार से स्वीकार नहीं होंगे। ऑनलाइन फॉर्म भरने की लास्ट डेट 9 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है।*

कैंसर थर्ड-फोर्थ स्टेज में भी नैचुरोपैथी में इलाज संभव

कैंसर का इलाज बिना एलोपैथी मेडिसिन के संभव नहीं नेचुरोपैथी रूट क्रॉस को बेहतर करने में फायदेमंद

भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग स्नातक चिकित्सा संघ छत्तीसगढ़ चैप्टर की ओर से मंगलवार को 'प्रकृति उत्सव' का आयोजन किया गया। शहर स्थित विम्तारा हॉल में राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के खास अवसर पर नैचुरोपैथी विशेषज्ञ के व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जहां कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज और मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य के बेहतर उपचार पर चर्चा की गई। व्याख्यान सत्र में तमिलनाडु से नैचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप एम के नायर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

रायपुर। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पवन अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया, इसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा के उपचार से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाना रहा। बातचीत में डॉ. प्रवेश जैन ने बताया कि व्याख्यान सत्र मे प्रकृति चिकित्सा के उपचार प्रणाली पर चर्चा की गई। यहां तीन सौ से अधिक छात्र उपस्थिति रहे, जिन्हें नैचुरोपैथी में बीमारी होने से पहले रोकने और इलाज प्रकरण को समझाने का प्रयास किया गया। साथ ही बदलते लाइफस्टाइल में कैंसर मैनेजमेंट पर व्याख्यान सत्र आयोजित की गई, यहां शरीर में बीमारियों का मुख्य कारण जल, वायु, अग्नी, आकाश और पृथ्वी के मुख्य पांच तत्व के मिस बैलेंस का कारण बताया गया। इस दौरान हरिभूमि ने नैचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप एम से खास बातचीत की, और नैचुरोपैथी से कैंसर के बेहतर उपचार पर चर्चा किया।

क्या व्यक्ति को दुबारा कैंसर का खतरा होता है? हां...

विशेषज्ञ का कहना है कि ऐलोपैथी या नैचुरोपैथी से इलाज के बाद भी अगर व्यक्ति दुबारा अपनी दिनचर्या में बदलाव करता है, और खानपान बेहतर नहीं करता तो यह समस्या हो सकती हैं। जिससे बीमारी होने का खतरा रहता है। इलाज के बाद भी व्यक्ति को बेहतर डाइट के साथ जुड़े रहना चाहिए, गलत लाइफस्टाइल ही कैंसर का मुख्य कारण है। नैचुरोपैथी मानसिक रूप से लोगों को प्रेरित करना है, जिसके कारण इसमें इलाज संभव है।

इनसे कैंसर का खतरा

पॉलिश्ड चावल-दाल-गेहूं, ओवरहीटिंग, ऑयल, पैकेट फूड, वाइट शुगर, ड्रिंक

नैचुरोपैथी से इलाज प्रक्रिया को समझें...

विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप ने बताया, अक्सर थर्ड और फोर्थ स्टेज के मरीज नैचुरोपैथी से इलाज कराने पहुंचते है। कैंसर के मरीजों को एलोपैथी की दवाई हम कम मात्रा में देते हैं, खाना खाने की इच्छा कम होना, ऊल्टी की समस्या और बाल झड़ना कैंसर के कारण नहीं होता। यह एलोपैथी की दवाईयों के कारण होता है, ऐसे में इलाज के दौरान नैचुरोपैथी में दवाई की मात्रा कम होती हैं। इलाज के वक्त सबसे पहले ब्लड का जांच कराया जाता है, इससे शरीर में विटामिन की मात्रा को समझा जाता है। इसके बाद मरीजों को न्यूट्रिशन के लिए ऑजोन थेरेपी की मदद से पेट की सफाई की जाती है, जिससे दवाई और थैरेपी का असर लोगों में जल्दी होने लगता है। अक्सर पेट के जरिए शरीर में बीमारियों का खतरा बढ़ता है, इसलिए ऑजोन थेरेपी स्वास्थ्य के लिए बेहतर उपचार है।

कैंसर कोई गंभीर बीमारी नहीं - डॉ. प्रदीप

खास बातचीत में नैचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप एम के नायर ने बताया, कैंसर कोई गंभीर बीमारी नहीं है। इन दिनों घर का कोई एक व्यक्ति थायराइड, मोटापा, डायबिटीज का मरीज है, और जल्द इलाज ना करने पर यह गंभीर समस्या का कारण बनते जा रहा है। कैंसर का इलाज बिना एलोपैथी मेडिसिन के संभव नहीं है, जहां एलोपैथी मरीज के शारीरिक रूप से बेहतर बनाने में मदद करता है। वहीं नैचुरोपैथी कैंसर के रूट क्रॉस को बेहतर करने में फायदेमंद है। उदाहरण के तौर पर, इमोशनल ट्रॉमा को कंट्रोल करने में, शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी को दूर करने में यह फायदेमंद है। नैचुरोपैथी मरीजो के लाइफस्टाइल को बेहतर बनाता है, और मानसिक रूप से स्वस्थ करने में मददगार है।

योगा, ऑन्कोथर्मिया, एक्यूपंक्चर वॉटर, डाइट-फास्टिंग थेरेपी से इलाज

विशेषज्ञ के अनुसार इलाज के दौरान रोजाना योगा, ऑन्कोथर्मिया,एक्यूपंक्चर,वॉटर, डाइट-फास्टिंग जैसे थेरेपी की मदद से लाइफस्टाइल में बदलाव किया जाता है। इससे व्यक्ति धीरे-धीरे मानसिक और शारीरिक रूप में बेहतर महसूस करने लगता है, जिससे दवाईयों का असर भी जल्द होने लगता है। ऐलोपैथी के साथ नैचुरोपैथी की मदद से 6 माह से 1 साल में ही कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पर रोकथाम किया जाता है। और व्यक्ति स्वस्थ्य होकर समान्य जीवनयापन करने लगता है। समान्य रूप से नैचुरोपैथी आपको शारीरिक रूप से मजबूत करने पर जोर देता है, इससे आपका दिनचर्या को प्राकृतिक रूप से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। और यही कारण है, कि नैचुरोपैथी में इलाज संभव है।

सिटी इवेंट

सर्दी चढ़ते ही शहर की नर्सरी सजने लगी, ठंड के मौसम में खिलने वाले पौधों की बढ़ी मांग

रायपुर। ठंड के आगमन के साथ ही बागवानी प्रेमियों की सक्रियता बढ़ गई है। घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ बागवानी मानसिक तनाव कम करने और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने में भी मददगार मानी जाती है। यही कारण है कि ठंड के मौसम में बागवानी का शौक रखने वालों की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है। नर्सरी और फूल बाजारों में इन दिनों गुलदावदी, पिटूनिया, पैंजी, गेंदा, साल्विया और डायन्थस जैसे सर्दी में खिलने वाले मौसमी पौधों की मांग तेज़ हो गई है। सुबह–शाम की ठिठुरन के बावजूद लोग अपने घरों और बगीचों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाने के लिए उत्साहित दिखाई दे रहे हैं।

ठंडी हवाओं से बचाने पौधों को कवर करें

प्रकृति प्रेमी रामू मुखर्जी हर बदलते मौसम के हिसाब से गार्डनिंग करते रहते है। उन्होंने हरिभूमि से चर्चा के दौरान बताया कि सर्दी के मौसम में जैसे हम लोगो को ठंड से बचने जतन करने पड़ते है ठीक वैसे ही पौधों को भी स्पेशल केयर की जरूरत होती है। रामू सलाह देते हैं कि पौधों को सुबह की धूप जरूर मिले, जबकि उन्हें ठंडी हवाओं से बचाने के लिए शाम के समय हल्का कवर या शेड का उपयोग लाभदायक होता है। मिट्टी में गोबर खाद या कम्पोस्ट मिलाने से पौधों की गुणवत्ता और फूलों की संख्या दोनों बढ़ती है। घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ बागवानी मानसिक तनाव कम करने और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने में भी मददगार मानी जाती है।

सर्दियों में फूल उगाने के लिए आसान टिप्स

ठंड के मौसम में पौधों की देखभाल करने एक हिस्सा मिट्टी और एक हिस्सा गोबर खाद-कम्पोस्ट और थोड़ा रेत के साथ रोजाना 4 से 6 घंटे की धूप जरूरी होती है। पौधों में बहुत ठंड में कम पानी दें, मिट्टी सिर्फ हल्की नम रखें। हर 15 दिन में तरल खाद या गोबर खाद डाले। सुरक्षा की दृष्टि से ओस और पाला से पौधों को बचाने के लिए रात में हल्का कवर दें। नर्सरी संचालकों के अनुसार पिछले एक सप्ताह में मौसमी पौधों की बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गुलदावदी और पिटूनिया सबसे अधिक बिकने वाले पौधों में शामिल हैं। इसके साथ ही लोग किचन गार्डन के लिए पालक, मेथी, धनिया, चुकंदर, गाजर और गोभी जैसी सर्दियों की सब्जियों के पौधे व बीज भी खरीद रहे हैं। बागवानी विशेषज्ञों का कहना है कि सर्द मौसम फूलों की खेती के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है। कम तापमान और साफ धूप पौधों की बढ़वार के लिए उपयुक्त वातावरण देती है।

वीआरसीई-वीएनआईटी नागपुर-छत्तीसगढ़ चैप्टर की एलुमनी मीट में 1974 बैच के छात्र हुए रूबरू

रायपुर। एनआईटी में वीआरसीई-वीएनआईटी नागपुर एलुमनी-छत्तीसगढ़ चैप्टर की एलुमनी मीट में पुराने साथियों ने बरसों बाद मिलकर एक-दूजे का हालचाल जाना। यह आयोजन एनआईटी में स्थित गोल्डन टॉवर ऑडिटोरियम में किया गया। गोल्डन टॉवर ऑडिटोरियम एनआईटी एलुमनी एसोसिएशन द्वारा निर्मित एक प्रतिष्ठित स्थल है। इससे एक जीवंत और यादगार एलुमनी मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में निदेशक वीएनआईटी नागपुर डॉ. प्रेमलाल पटेल, डीन इंटरनेशनल अफेयर्स एवं एलुमनी, डॉ. केएम भुर्तडी और एलुमनी समन्वयक डॉ. दिवाकर जेड शेंडे शामिल हुए, जिन्होंने वीएनआईटी नागपुर से यात्रा कर इस कार्यक्रम में भाग लिया। वीएनआईटी नागपुर एलुमनी एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व शशिकांत चौधरी और जोगिंदर सिंह सोंध ने किया। 30 से अधिक पूर्व छात्रों और उनके परिवारों की भागीदारी के साथ यह संगोष्ठी पुरानी यादों, ऊर्जा और सार्थक संवादों से परिपूर्ण हुई। निदेशक डॉ. प्रेमलाल पटेल ने वीएनआईटी के विकास, प्रतिबद्धताओं और संस्थान के भविष्य की दृष्टि पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, जैसे छात्र इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, कौशल विकास और प्लेसमेंट में एलुमनी की मजबूत सहभागिता और योगदान पर बल दिया।

पूर्व छात्र हुए शामिल

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र कमल किशोर शारदा ने अपने नैतिक सिद्धांतों और श्रीमदभगवद गीता से प्रेरित उद्यमशीलता यात्रा को साझा किया। वीआरसीई-वीएनआईटी नागपुर के एलुमनी कमल किशोर शारदा (1974/मेक), अनिल कुमार डागा (1984/मेक), आर्किटेक्ट योगेश्वर चांडक (1977/आर्क) और संजीव नैयर (1978/मेटलर्जी) को वीएनआईटी निदेशक डॉ. प्रेमलाल पटेल के द्वारा सम्मानित किया गया। विशेष प्रशंसा आयोजक टीम अनिल डागा, डॉ. प्रकाश ढेकने, अरविंद तिवारी, नमित कोठारी और डॉ. मनीब मसूद को दी गई। एनआईटी रायपुर के प्रतिनिधि प्रभारी निदेशक डॉ. एस. बाजपेई को उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया गया।

न्यायाधीशों ने संविधान पर छात्रों का किया मार्गदर्शन

रायपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सुराना विधि महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय के पांच न्यायाधीश विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का महाविद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया, जिसके पश्चात माननीय न्यायाधीशों द्वारा शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों को संविधान के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविधान क्या है, कब बना, इसकी संरचना कैसी है और संविधान

सभा की अध्यक्षता किसने की। साथ ही उन्होंने माता-बहनों के सम्मान, कानूनी नियमों के पालन तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व पर प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। शिविर के अंत में सभी विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने और उसका पालन करने की शपथ दिलाई गई तथा कार्यक्रम का समापन राज्यगीत के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न कानूनी विषयों पर कई प्रश्न भी पूछे। न्यायाधीशों ने सभी प्रश्नों का सरल, स्पष्ट एवं संतोषजनक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

कार्नर न्यूज

बच्चों के साथ-साथ अफसर भी घुड़सवारी सीखने पहुंच रहे हैं

घुड़सवारी के शौक को कॅरियर में तब्दील कर रहे आत्मविश्वास बढ़ाने लड़कियां ले रहीं प्रशिक्षण

रायपुर। महानगरों की तर्ज पर राजधानी में भी अब घुड़सवारी में रफ्तार का रोमांच युवाओं को भाने लगा है। शहर के हॉर्स क्लब में बड़ी संख्या में बच्चों के साथ-साथ अफसर भी घुड़सवारी सीखने पहुंच रहे हैं। युवाओं ने अपने हॉर्स राइडिंग के शौक को पैशन में बदल दिया है। यही वजह है कि बेहतर राइडिंग सीखकर देश की नेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। बता दें कि शहर में प्रमुख रूप से तीन हॉर्स क्लब व अकादमी हैं। शहर के कुछ बड़े स्कूलों में भी इसकी विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। हरिभूमि ने हार्स क्लब से बातचीत की। उनका कहना है कि शहर में ज्यादातर लोग घुड़सवारी में कॅरियर बनाने के लिए इसे सीख रहे हैं। हार्स राइडिंग कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। कई पैरेंट्स भी अब लड़कियों को घुड़सवारी के जरिए आत्मविश्वास बढ़ाने प्रेरित कर रहे हैं। इस वजह से हॉर्स क्लब में लड़कों से अधिक लड़कियां हैं। ज्यादातर क्लब में घुड़सवारी की बारीकियां सीख रहीं लड़कियां 10 से 18 साल की उम्र की हैं। मैदान में घोड़े के साथ तालमेल बनाते हुए रफ्तार के साथ जंप व स्टंट की ट्रेनिंग लेते हैं।

45 घोड़ों के साथ हर दिन प्रैक्टिस

धरमपुरा स्थित ब्रिगो हार्स एकेडमी में 45 अलग-अलग तरह के घोड़े हैं, जहां बच्चे व युवा राइडिंग सीख रहे हैं। एकेडमी संचालक गीता ने बताया कि बीते कुछ सालों में बच्चों की दिलचस्पी हॉर्स राइडिंग सीखने को लेकर बढ़ी है। युवा वर्ग खेल के रूप में अपनी राइडिंग बेहतर कर रहे हैं। उनका कहना है कि शुरुआत में घोड़े के साथ तालमेल बनाने में कुछ समय लगा, लेकिन बाद कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां युवा पसंद के घोड़े चुनकर और उस पर सवार होकर हॉर्स राइडिंग सीखे रहे हैं। एक दिन में 2 से 3 घंटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। घोड़े के हाव-भाव को समझने का तरीका भी बताया जा रहा है। एकेडमी के पास देशभर से आए 200 से अधिक घोड़े हैं।

सीधे और समझदार घोड़े से सवारी की शुरुआत

शहर के हार्स क्लब में घुड़सवारी सीखने के लिए क्लब के मैदान में विशेष ट्रैक तैयार किया गया है, जिसमें बेसिक से एडवांस हार्स राइडिंग सिखाई जाती है। मैदान में समय-समय पर स्कूल व नेशनल प्रतियोगिता भी होती है। नया रायपुर स्थित हार्स सेंटर में ट्रेंड किए हुए घोड़े हैं। संचालक अभिषेक राव ने बताया, सभी वर्ग के लिए अलग-अलग घोड़े हैं। राइडिंग सीखने वालों को ट्रेंड इंसानी भाषा समझाने वाले घोड़े दिए जाते हैं। ऐसे घोड़े को कम समय में बड़ी आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। शहर में यहां लड़कों से अधिक लड़कियों के बीच घुड़सवारी सीखने का क्रेज है। 60 प्रतिशत लड़कियां घुड़सवारी सीख रही हैं। रोजाना के साथ-साथ शौकिया तौर पर भी घुड़सवारी के गुर सीखने लोग यहां आ रहे हैं।

लगाम थामने में लग रहा 6 महीने का वक्त

शहर के हार्स क्लब में बच्चों को पूरी तरह से घोड़े के लगाम थामने की कला सीखने में 6 महीने का वक्त लग रहा है। शहर के तीनों क्लब में 400 से अधिक बच्चे व युवा घुड़सवारी सीख रहे हैं। मैदान में बेसिक के बाद रफ्तार में बड़े स्टंट भी सिखाए जा रहे हैं। मंथली फीस महानगरों की तुलना में कम है। हर साल घुड़सवारी के प्रति दीवानगी लगातार बढ़ रही है। अभिभावक अपने बच्चों को हटकर कोई न कोई गतिविधि कराना चाहते हैं, जिसमें घुड़सवारी भी शामिल है।

सिटी लाइव

वित्तीय धोखाधड़ी और सुरक्षा विषय पर हुआ व्याख्यान सत्र

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में ' वित्तीय धोखाधड़ी और सुरक्षा ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय से इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर के विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों व भावी पेशेवरों को पारंपरिक और तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल क्षेत्रों में वित्तीय लेनदेन की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक जागरूकता बनाना रहा। सत्र में प्रोफेसर के देशमुख ने वित्तीय साक्षरता और सतर्कता की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छोटी लापरवाही या जागरूकता की कमी भी व्यक्तियों को बड़े धोखाधड़ी के जाल में फंसा सकती है।

लापरवाही ही साइबर क्राइम का मुख्य कारण

प्रोफेसर प्रीति के. सुरेश ने कहा, ऑनलाइन वित्तीय प्लेटफॉर्म का उपयोग करते वक्त अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रोफेसर एके श्रीवास्तव ने दोहरे दृष्टिकोण पर जोर दिया। कहा, सक्रिय जागरूकता और निवारक तंत्र के साथ प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, साथ ही धोखाधड़ी के गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता है, ताकि अपराधी इस तरह की गंभीर अपराध करने से बचें और लोग सुरक्षित रह सकें। ऑनलाइन ठगी के दौरान आसपास के साइबर क्राइम स्टेशन में जाकर अपराध की जानकारी दें, ताकि आपकी मदद हो सके।

समाज लाइव

केटीयू में जनजातीय समाज के साहस संघर्ष और बलिदान को किया याद

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत "जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति एवं संभागायुक्त श्री कावरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के स्वतंत्र आधुनिक भारत का सपना भगवान बिरसा मुंडा ने देखा। जन-जन तक विकास एवं शिक्षा पहुंचाना उनका सपना रहा, जो हम सभी के सहयोग से ही साकार किया जा सकता है।

एडवरटाइजिंग क्लब का शुभारंभ

कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम के मूल उद्देश्य को बताया व कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में साथ ही विश्वविद्यालय के विज्ञापन जनसंपर्क तथा मीडिया व प्रबंधन में क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों द्वारा गठित एडवरटाइजिंग क्लब का शुभारंभ किया। इस क्लब में अभिषेक साहू अध्यक्ष, कविता भारती उपाध्यक्ष, प्रज्ञा देवांगन सचिव, तारिणी रजक कोषाध्यक्ष एवं तारिणी सोनी को सदस्य नामित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को जीवंत बनाया गया।

कैंपस इवेंट

शैक्षिक भ्रमण में हाईटेक रसोई व्यवस्था का निरीक्षण

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के शिक्षा विभाग द्वारा बीएड. और डीएलएड विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अंतर्गत छात्रों ने भिलाई सेक्टर-6 स्थित अक्षय पात्र फाउंडेशन का दौरा किया, जहां प्रतिदिन लगभग 30 हजार विद्यार्थियों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार किया जाता है। इस दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को भोजन प्रबंधन, स्वच्छता मानकों और बड़े पैमाने पर संचालित सामाजिक कल्याणकारी परियोजनाओं की कार्यशैली से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अक्षय पात्र द्वारा संचालित हाई-टेक रसोई व्यवस्था का प्रत्यक्ष तौर पर निरीक्षण किया।

छात्रों ने तकनीकी नवाचार की समझ की स्थापित

इसके साथ ही फाउंडेशन द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक योजनाओं जैसे पोषण सुधार कार्यक्रम, स्कूल उपस्थिति बढ़ाने की पहल और सामुदायिक विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी गई। उपस्थिति प्रध्यापकों ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण न केवल विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान में वृद्धि करने में मददगार है, बल्कि उन्हें सामाजिक उत्तरदायित्व, तकनीकी नवाचार, टीमवर्क और प्रबंधन कौशल जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से भी परिचित कराता है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. रुचि सचान उपस्थित रहीं।

● शहर के मोतीबाग, शास्त्री बाजार, जीई रोड पर लगे तिब्बती व स्थानीय गर्म कपड़ों के स्टॉल पर पहुंच रहे लोग

ठंड की दस्तक ने बढ़ाई स्वेटर, जैकेट, शॉल की डिमांड, दुकानों पर खरीदारों की लगी कतार

अचानक बड़ी ठंड ने गर्म कपड़ों की बाजार में डिमांड बढ़ा दिया है। इससे गर्म कपड़ों की दुकानों व सड़क किनारे लगे स्टॉल पर स्वेटर, जैकेट, शॉल आदि खरीदने ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी है। राजधानी के मोतीबाग, शास्त्री बाजार, जीई रोड में लगे सजी गर्म कपड़ों के स्टॉल पर लोग खरीदारी करते दिख रहे हैं। यहां पर अलग-अलग वैरायटीज और रेंज के गर्म कपड़े हर उम्र वर्ग के लिए उपलब्ध हैं।

रायपुर। गर्म कपड़ों के विक्रेता दुकानदारों का कहना है कि उनके स्टॉल में मैनपाट, दार्जिलिंग, नेपाल और सिक्किम की ऊनी और फर से तैयार बेहतर क्वालिटी की सभी तरह के गर्म कपड़े उपलब्ध हैं। इनमें बच्चों से लेकर बड़ों तक के गर्म कपड़े हर वैरायटी, डिजाइन, साइज और बजट पर ग्राहकों को बेचा जा रहा है। हर बार की तरह इस साल भी गर्म कपड़ों में नए पैटर्न और वैरायटी का कलेक्शन किया गया है। शॉल, स्वेटर, जैकेट, मफलर, मंकी कैप में लेदर, वूलन समेत कई तरह के रेंज व वैरायटी शामिल है, जिसे ग्राहक खूब पसंद कर रहे हैं। पिछले सप्ताह से ठंड बढ़ने के साथ ही दुकानों में ग्राहकी बढ़ी है। मोतीबाग के पास लगे गर्म कपड़ों के स्टॉल पर खरीदारी करने पहुंच महेश शर्मा ने बताया कि वह फैमिली के साथ बच्चों के लिए जैकेट, स्वेटर, मोजे, कैप, दस्ताने खरीदने पहुंचे हैं। गर्म कपड़ों के दुकानों पर डिस्काउंट के साथ खरीदारी का अवसर मिल रहा है। वहीं तिब्बती गर्म कपड़े के स्टॉल वालों ने बताया कि ठंड पड़ रही है, रोजी-रोटी और व्यवसाय ठीकठाक चल रहा है। स्वेटर नए पैटर्न में लेकर आए हुए हैं। इस साल मिंक जैकेट, फेदर-लेदर जैसी कुछ जैकेट ट्रेंडिंग में हैं। इसके अलावा पैराशूट जैकेट भी लोगों को पसंद आ रही है। वहीं शॉल, ऊनी कंबल, चादर भी खूब डिमांड है। दुकानदारों ने उम्मीद जताया है कि जितनी अच्छी ठंड पड़ेगी, उतना ही अच्छा कारोबार होगा।

महिला और बच्चों के लिए खास वैरायटी

गर्म कपड़े के विक्रेता जीशान ने बताया कि उनके स्टॉल में महिला और बच्चों के लिए स्वेटर और जैकेट में हमारे पास कई वैरायटी है। बच्चों की जैकेट व स्वेटर 200 से 800 रुपए तक और महिलाओं का जैकेट, स्वेटर 500 से 1000 रुपए कीमत तक बिक रहा है। दुकानदारों का मानना है कि अभी नवंबर का महीना है। दिसंबर तक अच्छी ठंड पड़ने की उम्मीद है। वहीं स्टॉल में मेन के लिए सिंपल जैकेट की शुरुआती रेंज करीब 1000-1200 रुपए है। वहीं लेदर वाली जैकेट की कीमत 3 हजार रुपए से शुरू है। कॉटन वाली जैकेट 2300 से 2500 रुपए कीमत पर बिक रही है।

अचानक ठंड बढ़ने से डिमांड तेज

गर्म कपड़ों के स्थानीय व तिब्बती दोनों ही विक्रेताओं का कहना है कि रोड किनारे लगे गर्म कपड़ों की स्टॉल हो या फिर शहर के गर्म कपड़ों की दुकानों पर सभी जगह ग्राहक खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। अलग-अलग वर्ग के ग्राहक अपने अपने हिसाब से शॉल, ऊनी स्वेटर, पैराशूट जैकेट, लेदर जैकेट, मोजे, कैप, दस्ताने, मफलर आदि ठंड से बचाने वाले कपड़े खरीद रहे हैं। शहर में अचानक से बढ़ी ठंड का असर गर्म कपड़ों की डिमांड पर देखने को मिल रहा है।

बच्चों को रोज वेद, पुराण और पूजा विधि सिखाएं नैतिक शिक्षा और संस्कारों पर दें अधिक ध्यान

रायपुर। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम जगन्नाथ मंदिर सभागार सेक्टर 6 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी, संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश सचिव राकेश शुक्ला, राष्ट्रीय कार्य करणी सदस्य ईश्वर चंद्र त्रिपाठी, संभागीय सचिव अजय शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मृदुला शुक्ला, नगर अध्यक्ष लक्ष्मी कांत तिवारी उपस्थित थे। लक्ष्मीकांत तिवारी ने समाज की गति विधि पर जानकारी देते हुए समाज की आगामी होने वाले कार्यक्रम पर विस्तृत रूप से बताया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि समाज को और अधिक लोग मजबूती प्रदान करने के लिए प्रवास, संपर्क और बैठकें लगातार जारी रखें। महिला और युवा प्रकोष्ठ के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और अपनी सनातन परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। इस पर फोकस करते हुए सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वार्ड और बूथ स्तर तक जाकर समाज के लोगों की बैठक ली जाए, तब हमारा समाज, संगठन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि आज ब्राह्मण समाज सरयूपारीण, कान्यकुब्ज, सनाढ्य, गौड़, जिझोतिया, नर्मदे, मैथिल, केरल, उड़िया आदि की संस्था, समितियों में रहकर कार्य कर रहा है।

प्रांत और जिला स्तर पर होंगे समाज के सभी परिचय सम्मेलन

प्रदेश सचिव राकेश शुक्ला ने शादी योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन प्रांतीय और जिला स्तरिय कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज लगातार सभी गतिविधियों जैसे परशुराम जयंती के साथ सामाजिक सद्भाव वाले कार्य क्रम करता आ रहा है आगे भी योजना तैयार कर के कार्य क्रम किया जाएगा। इस अवसर पर संभागीय सचिव अजय शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मृदुला शुक्ला, स्वीटी कौशिक संभागीय महासचिव ,ज्योति शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

अच्छे अभिभावक बन बच्चों बनाएं संस्कारवान

राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण समाज अपने बच्चों की शिक्षा और संस्कारों पर विशेष ध्यान दे। सदैव ब्राह्मण की सोच सर्वे भवन्तु सुखिनः... की रही है। इसलिए शिक्षा के लिए हम अपनी आने वाली पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें। पूजा-पाठ के लिए लिए ज्यादा प्रेरित करें। एक अच्छे अभिभावक बनें। प्रदेश सचिव राकेश शुक्ला ने कहा कि समाज लगातार हर गतिविधि जैसे परशुराम जयंती के साथ सामाजिक सद्भाव वाले कार्यक्रम करता आ रहा है, आगे भी योजना बना कार्यक्रम कराएंगे। कार्यक्रम में रत्नेश तिवारी, रमेश तिवारी, संध्या मंडलोई, सीमा तिवारी, मिथलेश शर्मा, रमेश शर्मा, सत्येंद्र बहादुर तिवारी, अरविंद तिवारी, पंकज शर्मा, प्रदीप भट्टाचार्य, अरुण पंडा , सी एम महापात्र, रमेश तिवारी, मनोज तिवारी, अनुपमा शुक्ला, प्रमिला दुबे पूर्व पार्षद आदि उपस्थित थे।

श्रीमद भगवद गीता मोह, भ्रम और मानसिक बंधनों से मुक्ति का मार्ग

रायपुर। खमतराई में आयोजित श्रीमद भागवत कथा का समापन मंगलवार को विधि-विधान व धार्मिक अनुष्ठान के साथ हुआ। यहां कथावाचक डॉ. स्वामी इंदुभवानंद महाराज ने अपने प्रवचन के दौरान गीता के महत्व को समझाने का प्रयास किया। कहा, गीता भगवान का हृदय है। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा 'गीता में हृदयं पार्थ', अर्थात गीता उनके हृदय का स्वरूप है। जैसे दो मित्र एक-दूसरे को अपना हृदय समर्पित करने की बात करते हैं, उसी प्रकार भगवान ने भी अपनी गीता रूपी चेतना अर्जुन को प्रदान की। मूलरूप से भगवान यह दिव्य ज्ञान किसी को देना नहीं चाहते थे, लेकिन कुरुक्षेत्र में जब अर्जुन विषादग्रस्त और मानसिक रूप से विचलित हो गया, तब उन्होंने उसे मार्गदर्शन देते हुए गीता का उपदेश दिया। इसी कारण गीता के प्रथम अध्याय को विषाद योग कहा गया है।

गीता भगवान श्रीकृष्ण के हृदय स्वरूप- महाराज

प्रवचन में बताया कि युद्धभूमि में अर्जुन अपने गुरु द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह व परिवारजनों पर शस्त्र उठाने में असमर्थ था। वह भगवान के सामने रोने लगा और बोला "मैं युद्ध नहीं कर सकता, जिनसे मैंने गुरुकुल में ज्ञान प्राप्त किया, जिनकी उंगली पकड़कर बचपन में चलना सीखा, उन्हीं पर कैसे प्रहार करूं? जिन पुत्र-पौत्रों के हाथों में राज्य सौंपना चाहता हूं, उन्हीं पर शस्त्र चलाना मुझे स्वीकार नहीं।" अर्जुन की यह स्थिति ही गीता उपदेश का कारण बनी। गीता व्यक्ति को मोह, भ्रम और मानसिक बंधनों से मुक्त करने का मार्ग दिखाती है। श्रीमद् भागवत ज्ञान परंपरा और ऋषि-मुनियों की वाणी पर आधारित है, जबकि भगवद गीता स्वयं भगवान ने अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेश का प्रत्यक्ष स्वरूप है। इसी कारण गीता को ब्रह्मविद्या और योगशास्त्र कहा जाता है।

● शादी के सीजन शुरू होते ही दूल्हा-दुल्हन व घरवाले ग्रैंड वेडिंग की तैयारी में जुटे

शादी-ब्याह को लेकर सजा बाजार, कपड़ा, सराफा और साज-श्रृंगार के सेगमेंट में लौटी रौनक

कार्नर न्यूज

रायपुर। शादी-विवाह का लग्न शुरू होते ही शहर के बाजारों में ब्राइडल फैशन की शॉपिंग जोरों पर है। दूल्हा-दुल्हन सहित मेहमानों, घरवालों के लिए चाहे कपड़ों की खरीदारी हो या फिर साज-श्रृंगार के सामान सभी बड़े पैमाने पर खरीदे जा रहे हैं। इससे शहर के गोलबाजार, सदर रोड सराफा दुकानों, पंडरी कपड़ा मार्केट, पुरानी बस्ती रोड फैशन हाउस पर अभी से अच्छी रौनक व ग्राहकों की चहल पहल दिखने लगी है। इसमें सराफा बाजार, फैंसी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप पर फैमिली वालों के साथ होने वाली दुल्हन अपनी पसंद की खरीदारी करते दिख रहे हैं। इसके अलावा बात करें मेकअप की तो ब्यूटी पार्लर, मेहंदी डिजाइनर्स सेंटर पर भी शादी वाले दिन को लेकर पैकेज बुक कराने लोग पहुंच रहे हैं, ताकि शादी में दुल्हन ब्राइडल आउटफिट में पूरी तरह से चांद का टुकड़ा ही नहीं, बल्कि पूरा चांद लग सके। शादी-ब्याह को लेकर बाजार में चहल-पहल बड़ी है। कपड़ा, सराफा और साज-श्रृंगार के शॉप में रौनक फिर से लौटने लगी है।

कपड़ों की खरीदारी में जुटे

पंडरी कपड़ा मार्केट के फैशन शो रूम के संचालक विजय गुप्ता का कहना है कि अब शादियों के सीजन के चलते लोग अभी से खरीदारी करने दुकानों पर पहुंच रहे हैं। इनमें ब्राइडल फैशन के अलावा घर व मेहमानों के लिए भी कपड़े थोक में खरीद रहे हैं। ब्राइडल फैशन की बता करें तो सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले स्टाइल्स में 3-डी डिजाइन शामिल हैं। ये 3-डी डिजाइन उभरी हुई फूल-पत्तियों की कढ़ाई लिए हुए होते हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं। शानदार एप्लिक वर्क से सजे गाउन शादी के रिसेप्शन या कॉकटेल पार्टी के लिहाज से बेहतरीन लगते हैं। फ्यूजन वियर का अंदाज बोल्ड कढ़ाई-कसीदाकारी के साथ-साथ मिनिमलिस्ट स्टाइल और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन वियर वाला लुक नई दुल्हनों का खासा पसंद आ रहा है। उदाहरण के लिए जरदोजी के काम वाले गाउन, लहंगे के अंदाज में बनी घेरदार स्कर्ट और ब्लाउज की जगह स्टाइलिश चोली के साथ ड्रेप की गई साड़ी भारतीय परंपरा और पाश्चात्य संस्कृति का शानदार मिश्रण पेश करते हैं। पुराने समय में दुल्हन का चेहरा गज भर के घूंघट के पीछे छिपा होता था, जो मुंह-दिखाई की रस्म के समय ही दिखाया जाता था। फिर

सोने चांदी के अलावा आर्टिफिशियल ज्वेलरी की खूब डिमांड

शादियों को लेकर शहर के ज्वेलरी शॉप में दुल्हन अपने पसंद की सोने चांदी व डायमंड ज्वेलरी के अलावा महंगे आर्टिफिशियल ज्वेलरी खरीदने पहुंचे रही हैं। आर्टिफिसियल ज्वेलरी शॉप के संचालक कबीर राज के मुताबिक महंगे ज्वेलरी के साथ ही आर्टिफिसियल ज्वेलरी भी दुल्हन की पहली पसंद बन रही है। इनमें मांग टीका, कुंदन हार, मीनाकारी हार, रानी हार , झूमके, चुड़ियां, कमरबंद, फिंगर रिंग्स, दुल्हन नथ, हाथ फुल, पायल जैसे ब्राइडल आर्टिफिसियल ज्वेलरी खूब डिमांड में है।

मेकअप एक्सपर्ट व मेहंदी डिजाइनरों की कर रहे बुकिंग

शादी घरों के लिए दुल्हन की मेकअप व मेहंदी रस्म के लिए मेकअप एक्सपर्ट और मेहंदी डिजाइनर्स की बुकिंग शुरू हो गई है। शहर की ब्राइडल मेकअप स्पेशलिस्ट कावेरी सोनकर बताती हैं कि इस सीजन में दुल्हन को नेचुरल ग्लो, बोल्ड आई मेकअप विद न्यूट्रल लिप शेड, आईब्रो हो वेल पॉलिश्ड, स्पार्कली या ब्लश टोंड आईज के साथ मेकअप से खूबसुरती में चार-चांद लग जा रहा है। वहीं मेहंदी डिजाइनर अनुराग वर्मा का कहना है कि पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइन में दूल्हा और दुल्हन या कपल की तस्वीरें बनाई जाती हैं, जो इसे व्यक्तिगत और खास बनाती हैं। मिनिमलिस्टिक ब्राइडल मेहंदी यह उन दुल्हनों के लिए एकदम सही है जो ज़्यादा भारी डिजाइन नहीं चाहतीं। इसमें सरल, स्टाइलिश और एलिगेंट पैटर्न होते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

राज्य स्तरीय नेटबॉल : दुर्ग जिले के खिलाड़ी दोनों वर्ग में अव्वल

भिलाई। चौथी जूनियर राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता 15 और 16 नवंबर को अंबिकापुर में आयोजित की गई। जिसमे दुर्ग जिला नेटबॉल संघ की बालक एवं बालिका की टीम ने भाग लिया एवं अपना उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्ग में चैंपियन बने। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि बालक वर्ग प्रथम दुर्ग, द्वितीय-जांजगीर-चांपा, तृतीय स्थान संयुक्त टीम रायपुर एवं धमतरी एवं बालिका वर्ग प्रथम दुर्ग, द्वितीय सरगुजा, तृतीय संयुक्त टीम धमतरी एवं रायपुर रही। यह प्रतियोगिता नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा एवं छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में आयोजित की गई। इस जीत पर जिला नेटबॉल संघ की ओर से विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दिया गया साथ ही कोच, मैनेजर एवं ऑफिशियल की भूमिका निभाने हेतु मोहन राव, इमरान खान, मनोज साहू, मिशा सिंह, शिवांगी के योगदान को सराहा गया। जिला नेबल से सोनम शर्मा, अब्बास आलम, विजय छलोतरे, संतोष साहू एवं सभी सदस्यों ने बधाई दी है।

स्टेट लैक्रोस चैंपियनशिप में नेशनल के लिए चुने खिलाड़ी

रायपुर। एनटीपीसी लारा, रायगढ़ में तीसरे स्टेट लैक्रोस चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि दिवाकर कौशिक सीईओ और विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार ईडी एनटीपीसी लारा थे। स्पर्धा में राज्यभर के लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमे नेशनल फेडरेशन कप जम्मू के लिए 28 खिलाडियों का सिलेक्शन किया गया. जो 5 से 7 दिसंबर तक कटरा में आयोजित होगा। राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में जनप्रतिनिधि नगर पंचायत अध्यक्ष मोहित सत्पथी, जिला पंचायत सदस्य भाग्यवती दोलनारायण नायक, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमलता हरिशंकर चौहान, सरपंच महलोई तरुण प्रधान, जनपद सदस्य प्रकाश गुप्ता एवं लैक्रोस एसोसिएशन के ऑफिशियल व हेड कोच राजनारायण प्रधान, विजय कांटे, विवेकानंद यादव, अजय शर्मा, श्रीमती मेनका यादव, गर्ल्स टीम श्रीमती पूजा यादव, बीडी चौहान कमेंटेटर, टेक्निकल टीम ऑफिशियल अभिनव सत्पथी, राहुल वैष्णव कोच, रेफरी प्रेमलता निषाद, ज्योति प्रधान, आँचल चौहान, डिप्पी चौहान, जिज्ञासा कलैत, सोनम गुप्ता, सोनम बंजारा, कमलेश सरल, उदित बालन, उत्कर्ष, जय आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देववतार चौधरी सेक्रेटरी लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ ने आभार व्यक्त किया।

नेशनल स्पोर्ट्स मीट भुवनेश्वर में एकलव्य विद्यालय को 11 पदक

रायपुर। चौथी नेशनल एकलव्य मॉडर्न आवासीय विद्यालय स्पोर्ट्स मीट का आयोजन 11 से 15 नवंबर तक भुवनेश्वर ओडिशा में आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ से महासमुंद के एकलव्य विद्यालय के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी, शतरंज, कबड्डी एवं एथलेटिक्स में 11 पदक जीतने में सफलता हासिल की। खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 02 रजत और 05 कांस्य पदक जीते हैं। एकलव्य के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी चैंपियनशिप के 14 वर्ष बालक वर्ग में नमन मांझी ने इंडियन राउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, 19 वर्ष बालक वर्ग में जयंत ठाकुर ने कंपाउंड राउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, 19 वर्ष बालिका वर्ग में लिलिमा नाग ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं 19 वर्ष बालक वर्ग में योगेश नाग एवं टुकेश कमार ने टीम इवेंट में रजत हासिल किया। 14 वर्ष बालक वर्ग इंडियन राउंड टीम इवेंट में नमन मांझी, दिगंबर नेताम एवं उदित नारायण भोई ने कांस्य पदक हासिल किया। 19 वर्ष बालक वर्ग व्यक्तिगत इवेंट इंडियन राउंड में योगेश नाग ने कांस्य पदक हासिल किया। 14 वर्ष बालिका वर्ग इंडियन राउंड टीम इवेंट में कुमुदनी दीवान, डिंपल दीवान एवं रिया दीवान ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की। शतरंज टीम प्रतियोगिता में कुणाल ठाकुर ने स्वर्ण एवं व्यक्तिगत प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने में सफलता हासिल की। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने कांस्य पदक जीते। जिसमें महासमुंद से कन्हैया ध्रुव एवं अक्षय विशाल शामिल रहे। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुंदन लाल दीवान ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की। जिला खेल एवं युवा कल्याण द्वारा खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर का संचालन एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग में किया जा रहा हैं, जिसमें प्रतिदिन अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में भागीदारी करने एवं पदक जीतने में सफलता मिल रहीं है।

इस मौसम में कुछ बीमारियों से प्रभावित लोगों को बरतनी चाहिए अतिरिक्त सतर्कता

सर्दियों में इन बीमारियों का भी बना रहता है खतरा, बचाव के साथ उठाएं मौसम का लुत्फ

सर्दियों का मौसम आपके लिए मुसीबत बन सकता है। जानते हैं उन बीमारियों के बारे में जिससे आपको परेशानी हो सकती है।सर्दियों का मौसम हर किसी को पसंद आता है। भीषण गर्मी से राहत मिलती है। गुलाबी और सर्द हवा से सुकून पहुंचता है। हालांकि, इस दौरान आपके बीमार होने की संभावना भी बढ़ जाती है। दरअसल पर्यावरण में ठंड तो होता ही है साथ ही शरीर के तापमान में भी गिरावट आती है। शरीर को इन परिस्थितियों में एडजस्ट होने में दिक्कत होती है। वहीं जिनकी इम्यूनिटी कमजोरी होती हैं उनके लिए सर्दियों का मौसम मुसीबत बन जाता है। आइए जानते हैं सर्दियों के मौसम में कौन-कौन सी दिक्कतें परेशान कर सकती है।

सर्दी-जुकाम

ठंड के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से बढ़ने लगते हैं। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है वही इस दौरान हमारी इम्यूनिटी भी गिर जाती है जिस वजह से बैक्टीरिया और वायरस आसानी से हम पर अटैक कर पाते हैं। ठंडी हवा ही नाक में होने वाले इम्यून रिस्पांस को नुकसान पहुंचाती है। वहीं ठंड के मौसम मे लोग घर के अंदर ज्यादा रहते हैं जिससे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

बचाव- अदरक की चाय, हल्दी वाला दूध, स्टीम, तुलसी का काढ़ा ये आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं और सर्दी जुकाम में राहत मिलती है।

गठिया

सर्दियों के मौसम में धूप के संपर्क में ना रहने के कारण शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है और विटामिन डी की कमी जोड़ों के दर्द को ट्रिगर करती ।है इसके अलावा ठंड और नामी भरा मौसम भी गठिया की समस्या पैदा कर सकता है। बचाव के लिए शारीरिक गतिविधि बढ़ाएं, विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें और हाइड्रेटेड रहें।

वेट गेन

अक्सर ठंड के मौसम में वेट गेन हो जाता है। दरअसल इस मौसम में हम बहुत ज्यादा तले भुने चीजों का सेवन करते हैं। इनमें कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है। वहीं हमारे शारीरिक गतिविधि में भी कमी हो जाती है इससे मोटापा बढ़ जाता है। बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में

पानी पिएं, फाइबर युक्त भोजन करें, अपने सोने का पैटर्न ठीक करें और शारीरिक गतिविधि बढ़ाएं।

कब्ज

सर्दियों के मौसम में कब्ज भी बढ़ जाती है। इसके पीछे का भी कारण है अनहेल्दी डाइट और फिजिकल एक्टिविटी की कमी। इससे बचने के लिए फाइबर युक्त भोजन और एक्सरसाइज जरूर करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

हिमाचल के विरुद्ध छत्तीसगढ़ के रवि ने लिए 2 विकेट

रायपुर। बी.सी.सी.आई. की ओर से रणजी ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन 15 अक्टूबर से जारी है। जिसमें ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा मैच (16-19 नवंबर) अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम, अमतर हिमाचल प्रदेश में हुआ। तीसरे दिन हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 158 ओवरों में 6 विकेट खोकर 585 रन बनाकर घोषित कर दी। छत्तीसगढ़ की ओर से पहली पारी में कुल 3 शतक लगाये गए। अनुज तिवारी ने 162 रनो की शानदार पारी खेली। वहीं मयंक वर्मा तथा कप्तान अमनदीप खरे ने इस सीजन का दूसरा शतक लगाते हुये क्रमशः 112 रन तथा 102 नाबाद रनों की पारी खेली। संजित देसाई ने भी महत्वपूर्ण 84 रनों की पारी खेली। हिमाचल प्रदेश की ओर से एम जे डागर ने 2 विकेट, अर्पित तथा दिवेश ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन की समाप्ति तक हिमाचल प्रदेश ने 94.3 ओवरों में 4 विकेट खोकर 274 रन बना लिए है। हिमाचल प्रदेश की ओर से ए आर कलसी ने 118 नाबाद रन तथा एन गंगता ने 77 रन बनाये। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण ने 2 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन की समाप्ति तक हिमाचल प्रदेश 311 रनों से पीछे हैं।

अंडर-19 क्रिकेट में नायडू नेशनल की जीत

भिलाई। गोविंद चौहान क्रिकेट एकेडमी एवं एनसीए के संयुक्त तत्वावधान में जारी अंडर-19 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में 8 टीम में भाग ले रही है। इन्हें दो पूल में विभाजित किया गया है। पूल ए में महासमुंद, नायडू नेशनल क्रिकेट अकादमी ,क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी एवं स्टील सिटी भिलाई की टीम में है। वहीं पूल बी में गोविंद चौहान क्रिकेट अकादमी ,आरके अकैडमी, पदमनाभपुर क्रिकेट अकादमी एवं भिलाई वॉरियर्स क्रिकेट अकादमी है। 30 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन मंगलवार को नायडू नेशनल क्रिकेट एकेडमी एवं महासमुंद के बीच मुकाबला हुआ। जिससे नायडू नेशनल क्रिकेट अकादमी ने 88 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में नायडू नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 249 रन बनाए। अंशुल यादव ने नॉट आउट 75 रन, आदर्श श्रीवास ने 43 रन, आदि यादव ने 35 रन, देवांशु ने 27 रन और शिवम वर्मा ने 23 रन बनाए। गेंदबाजी में महासमुंद के आयुश द्विवेदी ने तीन विकेट और मेहुल देवांगन ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी मे महासमुंद की टीम 161 रन पर आउट हो गई।जिसमें समरेश जोशी ने नॉट आउट 29 रन, आयुष द्विवेदी ने 23 रन और अनमोल द्विवेदी ने 21 रन बनाए। गेंदबाजी मे नायडू नेशनल क्रिकेट अकादमी के आदि यादव ने 5 विकेट और अंशुल यादव ने तीन विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच आदि यादव रहे। मैच के अंपायर पीयूष साहू एवं हिमाचल साहू तथा स्कोरर विनोद देवघरे थे।

अंडर 14 एलिट ग्रुप क्रिकेट के चारों मैच ड्रॉ रहे

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर 14 एलिट ग्रुप दो दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत दूसरे दिन मंगलवार को रोमांचक मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन विरुद्ध रायपुर का मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर रायपुर को तीन अंक एवं भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन को एक अंक मिला। राजनांदगांव में टीम रायगढ़ विरुद्ध बिलासपुर का मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी के बढ़त के आधार पर रायगढ़ को तीन अंक एवं बिलासपुर को एक अंक मिला। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम प्लेट कंबाइंड विरुद्ध रायपुर ब्लू परिणाम मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी के बढ़त के आधार पर प्लेट कंबाइंड को तीन एवं रायपुर ब्लू को एक अंक मिला। धमतरी मे टीम राजनांदगांव विरुद्ध जशपुर का मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी के बढ़त के आधार पर राजनांदगांव को तीन अंक एवं जशपुर को एक अंक मिला।

अनीस और टिकेश्वरी म्यूथाई में छत्तीसगढ़ के पहले सर्टिफाइड कोच और निर्णायक बने

रायपुर। यूनाइटेड म्यूथाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के तत्वावधान में राजस्थान म्यूथाई संघ द्वारा भारतीय प्रतिभाशाली म्यूथाई खिलाड़ियों की दक्षता बढ़ाने हेतू जयपुर (राजस्थान) के सवाई मानसिंह स्टेडियम में एक अंतरराष्ट्रीय वन स्टैंडर्ड म्यू थाई (ओएसएम) म्यूथाई सेमिनार, प्रशिक्षण और ग्रेडिंग कैम्प का आयोजन 13 से 16 अक्टूबर तक किया गया। जि स के प्रतिभागियों को आईओसी से मान्यता प्राप्त अं त र रा ष्ट्री य म्यूथाई संस्था आईएफएमए द्वारा प्रमाणपत्र दिया गया।

- युवराज को अंतरराष्ट्रीय म्यूथाई प्रशिक्षण सेमिनार में मिला ओएसएम प्रमाणपत्र

इस संबंध में राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि ओएसएम सेमिनार में रायपुर से अनीस मेमन, खेल एवं युवा कल्याण दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) की कोच टिकेश्वरी साहू और जगदलपुर (बस्तर) के युवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया और उल्लेखनीय गौरवशाली सफलताएं हासिल की।

उक्त सेमिनार में भारत के विभिन्न प्रदेशों के 88 खिलाड़ियों, निर्णायकों, प्रशिक्षकों ने शिरकत की। अनीस मेमन और टिकेश्वरी साहू ने म्यूथाई खेल के आईएफएमए इंटरनेशनल रेफरी कोर्स के प्रमाणपत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ साथ म्यूथाई की उच्चतर ग्रेडिंग "खान -12" की उपलब्धि प्राप्त की। इस तरह ये दोनों आईएफएमए की सर्वोच्च म्यूथाई ग्रेडिंग वाले छत्तीसगढ़ के पहले सर्टिफाइड कोच और निर्णायक बन गए है।

जगदलपुर के युवराज ने अंतरराष्ट्रीय म्यूथाई प्रशिक्षण सेमिनार ओएसएम प्रमाणपत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ भविष्य में सीनियर वर्ग की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक दक्षता और प्रमाणपत्र हासिल किया।उन्होंने आगे बताया कि उक्त सेमिनार में आईएफएमए सर्टिफाइड अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक ग्रैंड मास्टर अर्जन छाव, ग्रेड मास्टर अर्जन थानोंग, अंतरराष्ट्रीय टेक्निकल ऑफिशियल अर्जन पुराजै द्वारा भारतीय, खिलाड़ियों, निर्णायक गणों, प्रशिक्षकों को गहन प्रशिक्षण उपरांत योग्यतानुसार ग्रेडिंग और प्रमाणपत्र प्रदान किया।

इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में म्यूथाई कोचिंग तकनीक, टूर्नामेन्ट में सही निर्णय लेने की बारीकियों के अलावा राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में लागू एंटीडोपिंग, स्पोर्ट्स मनोविज्ञान, स्पोर्ट्स इंजुरी मेडिसिन आदि विषयो की जानकारी ऑनलाइन दी गई।

इस आयोजन में रायपुर के महेन्द्र साहू ने छत्तीसगढ़ दल के मैनेजर के रूप में जिम्मेदारी निभाई। चार दिन तक चले सेमिनार में समय समय पर अनेको प्रशासनिक, खेल आदि क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों ने अपनी उपस्थिति देकर प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित किया। जिस तरह कराते में ब्लैक बेल्ट की उपाधि होती है वैसी ही दक्षता की उपाधि म्यूथाई में 10 खान की होती है। छत्तीसगढ़ के दोनो प्रशिक्षक गण को 10 खान से ऊपर 12 खान की योग्यता प्राप्त हुई है यह योग्यता पूरे भारत मे बिरले प्रशिक्षकों के पास है।

इस मौसम खिलाएं स्वादिष्ट मेथी का पराठा

नवंबर के महीने में सर्दियों का मौसम अपने चरम पर पहुंच रहा है। इस मौसम में खाने के कई ऐसे विकल्प मिल जाते हैं, जिसे बच्चे से लेकर घर के बड़े तक काफी चाव से खाते हैं। इसी क्रम में आज हम आपको मेथी के पराठे की आसान रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

मेथी का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले मेथी के पत्तों को अच्छे से साफ करके धो लें। इसके बाद एक बड़े कटोरे में आटा छान कर निकाल लें। इस आटे में दही, अजवाइन समेत सभी चीजें डाल कर अच्छे से मिला लें।

इसके बाद इसमें स्वादानुसार नमक डालें। अब इस आटे को अच्छी तरह से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे ते कभी तुरंत पराठे ना बनाए, बल्कि इसे कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद इस आटे से छोटी-छोटी लोइयां तैयार करें।

अब इन लोइंयों से पराठे बनाएं और इन्हें गैस पर दोनों तरफ से तेल लगाकर सेक लें। आप चाहें तो तिकोने आकार के मेथी के पराठे भी बना सकती हैं। जब ये कुरकुरी तरह से सिक जाएं तो एक प्लेट में निकाल कर अचार और दही से साथ इसे परोसें।

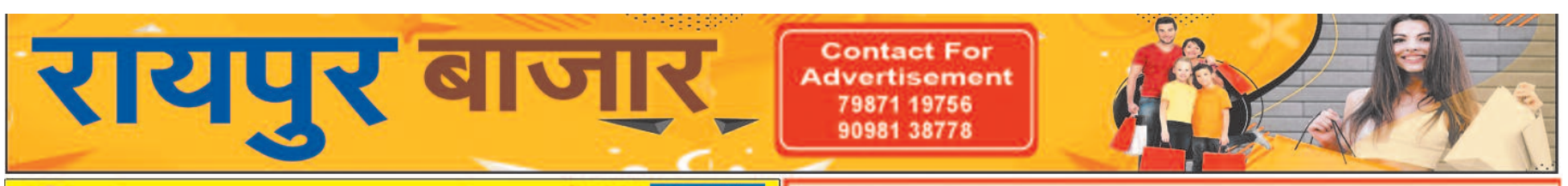

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बार एग्जाम की तैयारी पर भावुक हुईं किम, शेयर किया अपना नया वीडियो

हॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल किम कार्दशियन पिछले कुछ महीनों से वकील बनने के लिए कैलिफोर्निया बार एग्जाम की तैयारी कर रही थीं। ले कि न

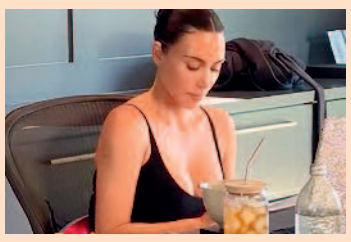

परिणाम उनके पक्ष में नहीं आया और वो असफल हो गईं थीं, जिसकी जानकारी उन्होंने दी थी। अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया है। इसमें एक्ट्रेस ने परीक्षा के कुछ हफ्तों पहले अपनी तैयारियों की झलक दिखाई है। एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने बार परीक्षा से दो सप्ताह पहले का वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने उस दौरान के पढ़ाई के प्रेशर और अपने स्वास्थ्य का भी जिक्र किया है, जिसमें एक्ट्रेस ने पीठ दर्द और डिस्क जैसी समस्याओं को शामिल किया। अभिनेत्री ने बताया कि इन बाधाओं के बावजूद, उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। वीडियो में एक्ट्रेस ने परीक्षा से एक दिन पहले बोला- 'मुझे हर चीज बहुत अच्छी लग रही है। मेरा शरीर अच्छा महसूस कर रहा है, पिछले दिनों की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर। मुझे अच्छा लग रहा है, मानो मैं पूरी तरह तैयार हूं।' इस वीडियो को साझा करते हुए किम कार्दशियन ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने इस सफर के बारे में आपके साथ बहुत कुछ साझा किया है। इस गर्मी में मैंने पढ़ाई के आखिरी दो हफ्तों को रिकॉर्ड किया है। उतार-चढ़ाव और बीच की हर बात।' आगे उन्होंने कहा, '7 नवंबर को मुझे पता चला कि मैं बार की परीक्षा पास नहीं कर पाई। यह निराशाजनक था, लेकिन यह अंत नहीं था। यह सपना मेरे लिए इतना मायने रखता है कि मैं इससे दूर नहीं जा सकती, इसलिए मैं पढ़ाई जारी रखूंगी।

टॉलीवुड

करोड़ों के बजट में बन रहीं भारत की यह सबसे महंगी फिल्म, ग्लोबल लेवल पर होंगी रिलीज

निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को ग्लोबल लेवल पर रिलीज किया जा ए गा , जिसका बजट 1000 करोड़ से भी ज्यादा का बताया जा रहा है। लेकिन

क्या आप जानते हैं सिर्फ वाराणसी ही नहीं बल्कि भारत में और भी फिल्में हैं जिन्हें बड़े स्तर पर रिलीज किया जाएगा।
भारतीय सिनेमा अब केवल घरेलू दर्शकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसकी पहुंच ग्लोबल मार्केट तक तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि मेगा बजट फिल्मों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आने वाले समय में तीन ऐसी फिल्में रिलीज़ होने वाली हैं, जिनका बजट, स्केल और विजन भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का दावा कर रहा है। इनमें शामिल हैं- महेश बाबू की वाराणसी, रणबीर कपूर की रामायण और अल्लू अर्जुन की फिल्म। एस.एस. राजामौली और महेश बाबू की यह फिल्म भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। 'वाराणसी' को एक इंटरनेशनल ड्रामा बताया जा रहा है, जिसकी शूटिंग कई देशों में होगी। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च किया गया है। इसमें प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी काम कर रहे हैं। महेश बाबू इस फिल्म में अपने करियर का सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगे। राजामौली पहली बार किसी फिल्म को हॉलीवुड स्तर के प्रोडक्शन मॉडल पर तैयार कर रहे हैं, जिससे इसकी चर्चा विदेशों तक पहुंच चुकी है।
नितेश तिवारी की 'रामायण' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का सबसे बड़ा पैन-इंडिया प्रोजेक्ट माना जा रहा है। रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में दिखाई देंगे, वहीं भारी-भरकम सेट, वीएफएक्स और मल्टी-स्टारकास्ट इसे भविष्य की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल करते हैं।

भोजपुरी

आम्रपाली की फिल्म का महिला ऑडियंस के लिए ऑफर, फ्री टिकट के साथ साड़ियां भी!

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की बहुप्र तीक्षित फिल्म 'मातृ देवो भवः' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने

दर्शकों को आकर्षित करने के लिए एक खास पहल की है। उन्होंने घोषणा की है कि महिलाएं यह फिल्म सिनेमाघरों में मुफ्त देख सकती हैं. मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने इस विशेष ऑफर की घोषणा की। मेकर्स ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'फिल्म 'मातृ देवो भवः' भोजपुरी फिल्म का खास ऑफर! मां के प्यार को समर्पित और सबके दिलों को छूने वाली भोजपुरी फिल्म 'मातृ देवो भवः' अब आपके शहर के नजदीकी सिनेमाघरों में. रोजाना 4 शोः 12:30, 3:30, 6:30, 9:30 बजे. सभी महिलाओं के लिए टिकट फ्री! सिर्फ आज नहीं, हर शो में महिलाएं बिना टिकट फिल्म देख सकती हैं। अपने परिवार के साथ आएं, मां-बेटे के रिश्ते की अनमोल कहानी पर भावुक हो जाएं और लकी ड्रा में 5 मुफ्त साड़ियां! हर शो में बच्चों के द्वारा चुनी गई 5 महिलाओं को मिलेंगी सुंदर साड़ियां। वो भी बिलकुल मुफ्त! आपका प्यार और समर्थन इस फिल्म को सुपरहिट बनाएगा! चलिए, मां के सम्मान के लिए फिल्म देखें और इस अवसर का लाभ उठाएं।' फिल्म 'मातृ देवो भवः' का निर्देशन-निर्माण मछिंद्र कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ महेश कुमार, अनूप अरोरा, मनोज टाइगर, देव सिंह, बबलू खान, संजय पांडे, हीरा यादव, रंभा साहनी और स्वीटी सिंह राजपूत जैसेकलाकार नजर आएंगे।

2025 में पुरुषों के फ़ैशन ट्रेंड में गुलाबी रंग ने खास जगह बनाई है। ठंड के इस मौसम में फ़ज़ी कोट, रजाईदार स्वेटर और मध्यम लंबाई के ब्लेज़र पेस्टल गुलाबी रंग के विभिन्न रूपों में रंगे गए हैं। केंज़ो से लेकर लुई वुइटन और डायर मेन तक, पारंपरिक रूप से यह रंग रनवे पर चमक रहा है। यह पहल याद दिलाती है कि नए आकर्षक रंगों के साथ लिंग-भेद की राजनीति को दरकिनार करते हुए प्रयोग करने के रास्ते सभी के लिए खुले है।

बीयर्ड को दें शेप इन टिप्स के साथ आसानी से

शायद ही कोई ऐसा लड़का होगा, जिसे घनी दाढ़ी और मूंछ रखना पसंद नहीं होगा लेकिन कई लड़के ऐसे होते हैं, जिनके सामने दाढ़ी ना निकलने की समस्या आती रहती है। ऐसे में कई युवा दाढ़ी की ग्रोथ को सही करने के लिए बाजारों में मिलने वाले तेल खरीद कर उसका इस्तेमाल करने लगते। इन तेलों में कई प्रकार का केमिकल पाया है। कई बार इनका उल्टा असर भी हो सकता है। ऐसे में इन तेलों को हमेशा सोच समझ के ही इस्तेमाल करना चाहिए।
अगर आपकी दाढ़ी सही से नहीं निकलती है तो आप रोज रात को सोने से पहले बादाम का तेल चेहरे पर लगाएं। अगर आपकी दाढ़ी हल्की है तो आप हल्के हाथ से दाढ़ी पर भी मसाज कर सकते हैं। बादाम के तेल में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है, जोकि सही तरह से दाढ़ी निकलने में मदद करता है।
अगर आप टी ट्री ऑयल में थोड़ा सा कैस्टर ऑयल मिलाकर अपनी दाढ़ी पर लगाएंगे तो इसके इस्तेमाल के आपको कुछ ही दिनों में फायदा दिखने लगेगा।
अगर आप किसी तरह का तेल नहीं लगाना चाह रहे हैं तो आंवला और सरसों के पत्तों को साथ में मिलाकर पीस लें और बारीक पेस्ट बना लें। इस पैक को अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी दाढ़ी घनी दिखेगी। अगर आप चाहते हैं कि आपकी दाढ़ी की ग्रोथ अच्छी रहे तो समय-समय पर ट्रिमिंग कराना बेहद जरूरी होता है। ट्रिमिंग से दाढ़ी की शेप भी सही आ जाती है और ये देखने में भी अच्छी लगती है।
बायोटीन सप्लीमेंट्स के सेवन से ना सिर्फ दाढ़ी में बल्कि बालों की ग्रोथ में भी इजाफा होता है। ऐसे में किसी स्किन स्पेशलिस्ट की सलाह के बाद बायोटीन सप्लीमेंट्स का सेवन कर सकते हैं।

शादियों के मौसम में हील्स छोड़ लहंगे के साथ पहनें ऐसे जूते

देवउठनी के बाद अब शादियों का मुहूर्त लग चुका है। ऐसे में अपनी शादी में हर लड़की चाहती है कि वो सबसे खूबसूरत दिखे। इसके लिए वो शादी तय होने के बाद से तैयारियां शुरू कर देती हैं। आज के समय लहंगे से लेकर हर एक चीज दुल्हन की पसंद की ही होती है। ऐसे में हर दुल्हन ये चाहती है कि वो अपनी शादी में खुलकर मौज-मस्ती कर पाए लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। दरअसल, शादी में हर लड़की काफी भारी-भरकम सा लहंगा पहनती है। ऐसे में इस लुक को पूरा करने के लिए हील्स ही पहनी जाती है। हील्स में जमकर डांस करना, और मस्ती करना संभव नहीं है। इसी के चलते आज के समय में दुल्हनों की पहली पसंद जूते बनते जा रहे हैं। हाल ही में कई अभिनेत्रियों ने भी अपनी शादी में लहंगे के साथ हील्स की बजाय जूतों को चुना था। यही वजह है कि आज के लेख में हम आपको ब्राइडल जूतों का लेटेस्ट कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं।

जूतों में लगवाएं मोती

अगर आप लाइट कलर के जूतों का चयन कर रहीं हैं तो उसको सजाने के लिए इसपर मोतियों का वर्क करा सकती हैं। इससे जूतों का लुक और ज्यादा खूबसूरत दिखेगा।

सिंपल स्नीकर्स को ऐसे बनाएं खास

आप चाहें तो किसी साधारण तरह के स्नीकर्स का चयन करके उसपर अपनी शादी की तारीख लिखवा सकती हैं। इससे ये काफी स्पेशल बन जाएगा।

जूतों पर लगवाएं गोटा

सिंपल से जूतों पर आप इस तरह से गोल्डन रंग का गोटा लगवा सकती हैं। इस पर अगर आप कढ़ाई भी कराएंगी तो भी ये खूबसूरत लगेगा।

सगाई की झलक दिखाएं

अपने सफेद रंग के जूतों पर आप सगाई की झलक दिखा सकती हैं। सफेद जूतों पर इस तरह का वर्क देखने में खूबसूरत लगेगा।

चिन पर कालापन दूर करें घरेलू उपाय से

होठों के नीचे कालापन हो रहा है और इससे आपके चेहरे की सुंदरता प्रभावित हो रही है और इसका प्राकृतिक इलाज तलाश रही हैं, तो इसके कारणों पर जरूर जाइए। ब्यूटी एक्सपर्ट पूनम चुघ कहती हैं, 'डिहाइड्रेशन, ब्लैकहेड्स, डेड स्किन और टैनिंग, यह सभी इसके कारण हो सकते हैं। ऐसे में अलग-अलग घरेलू नुस्खे आपको कालेपन की समस्या से निजात दिला सकते हैं।' कई लोगों को टी-जोन एरिया बहुत ऑयली होता है और इसलिए चिन पर मुंहासे निकलते रहते हैं। मुंहासों के सूखने के बाद उसका कालापन त्वचा पर ही रह जाता है। ऐसे में बूंद भर नारियल का तेल आप लगाती हैं और उससे मालिश करती हैं, तो आपको उससे बहुत फायदा मिलेगा।
चेहरे के कुछ हिस्सों पर ओपन पोर्स की समस्या के कारण ब्लैकहेड्स होने लगते हैं। किसी-किसी के चिन पर भी अधिक ऑयल निकलता है और इस वजह से स्किन पोर्स लार्ज हो जाते हैं। इन पोर्स में गंदगी फंस जाती है और वह ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स का रूप ले लेती है। इन्हें दूर करने के लिए दूध में कॉफी पाउडर मिक्स करके स्क्रब करें और फिर पानी से वॉश करने के बाद टॉवल से ही चिन को आहिस्ता-आहिस्ता रगड़ें। ऐसा करने

से ब्लैकहेड्स कुछ हद तक रिमूव हो जाएंगे। डेड स्किन की परत तो कहीं भी जमा हो सकती है। इसके लिए जरूरी है कि आप चेहरे को साफ रखें। आपको नियमित रूप से चेहरे की क्लीनिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग करनी चाहिए। इसके लिए आप एलोवेरा, दही और बेसन का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन सभी में बहुत अच्छी एक्सफोलिएटिंग पावर होती है।
चाय की पत्ती को पानी में पहले उबाल लें और फिर उसे छान लें। जब चाय की पत्ती थोड़ी ठंडी हो जाए तो आपको उसमें शहद मिक्स करना है और फिर इस मिश्रण से चिन को आहिस्ता-आहिस्ता रगड़ना है। इससे ब्लैकहेड्स भी रिमूव होंगे और डेड स्किन भी रिमूव होगी।

स्टाइलिश लुक के लिए पेस्टल आउटफिट्स के साथ अपनाएं कुछ खास ज्वेलरी

स्टाइलिश लुक पाने के लिए आपको ज्वेलरी और आउटफिट के कलर कॉम्बिनेशन को ध्यान में रखकर ही अपने लुक को स्टाइल करना चाहिए।अपने लुक को स्टाइलिश बनाना हम सभी चाहते हैं, लेकिन इसके लिए आपको लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की सभी तरह की जानकारी को रखना बेहद जरूरी होता है। वहीं बदलते दौर में आजकल पेस्टल कलर्स को काफी पसंद किया जाने लगा है, लेकिन इसे स्टाइल करते समय हम कई बार परफेक्ट कलर की ज्वेलरी को नहीं चुन पाते हैं। हालांकि मार्केट में आजकल ज्वेलरी के अनगिनत डिजाइन आपको देखने को मिल जाएंगे, लेकिन पेस्टल कलर के साथ कलर कॉम्बिनेशन को चुनना बिगिनर के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं पेस्टल कलर आउटफिट के साथ पहनने के लिए परफेक्ट ज्वेलरी कलर्स।

मैरून कलर ज्वेलरी को कैसे करें स्टाइल?

पेस्टल कलर आउटफिट के साथ आपको ज्वेलरी को स्टाइल करने के लिए डार्क कलर को चुनना चाहिए। इसके लिए आप मैरून यानी रूबी को पहन सकती हैं। रूबी में भी कई वैरायटी होती हैं। इसे आप पर्ल या डायमंड ज्वेलरी की चैन या नेकलेस के साथ पहन सकती हैं।

पेस्टल शेड्स की ज्वेलरी को कैसे करें स्टाइल?

लाइट शेड की बात करें तो पेस्टल कलर के साथ मीनाकारी डिजाइन की सटल या मल्टी कलर ज्वेलरी बेस्ट नजर आएगी। हालांकि असल मीनाकारी डिजाइन काफी महंगा होता है।

कार्नर न्यूज

सबसे अलग दिखने आप पीला छोड़ दूसरा रंग भी जरूर पहनें

हल्दी की रस्म में पीला ही क्यों पहनें, आजमाएं नए रंग

किसी शादी के फंक्शन में जाना हो तो हम सभी स्टाइलिश दिखना ही पसंद करते हैं और इसके लिए हम सेलिब्रिटीज के लेटेस्ट लुक्स से इंस्पायर हो जाते हैं। वहीं प्री-वेडिंग फंक्शन जैसे हल्दी सेरेमनी की बात लरें तो इसके लिए हम अक्सर येलो कलर के आउटफिट को पहनते हैं। वहीं इसके लिए हम ज्यादातर प्लेन डिजाइन को ही चुनते हैं। अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं और अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो किसी और कलर की ड्रेस भी चुन सकती हैं। तो चलिए हम आपको दिखाते हैं येलो के अलावा आप किन डिजाइंस और कलर्स की आउटफिट्स को पहन सकती हैं। साथ लुक को स्पेशल बनाने के लिए बताएंगे कुछ खास टिप्स।

नेट लहंगा डिजाइनर लुक

वहीं मॉडर्न लुक को हल्दी फंक्शन के लिए चुनना चाहती हैं तो इस तरह के नेट लहंगा लुक के साथ आप स्टाइलिश बैकलेस ब्लाउज को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का ऑम्ब्रे कलर आउटफिट को

डिजाइनर द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरह के लुक के साथ आप फ्लोरल या पर्ल डिजाइन की ज्वेलरी को स्टाइल करें।

बॉर्डर वर्क साड़ी लुक

आजकल हैवी वर्क ब्लाउज के साथ प्लेन साड़ी को स्टाइल किया जाना चलन में है। इस खूबसूरत साड़ी को डिजाइनर पुनीत बलाना द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरीके की मिलती-जुलती साड़ी आपको मार्केट में लगभग 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये में आसानी से मिल जाएगी। इस तरह के लुक साथ स्लीक स्टाइल हेयर स्टाइल को चुनें।
सटल लुक को हल्दी फंक्शन के लिए कैरी करना चाहती हैं तो मल्टी कलर का यह खूबसूरत लहंगा स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। मल्टी-शेड वाले इस खूबसूरत आउटफिट को चनिंया डिजाइनर ने डिजाइन किया है। इस तरह का लहंगा आपको मार्केट में लगभग 2000 रुपये से लेकर 3500 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा। इस तरह के लुक के साथ आप पर्ल बोहो या पर्ल डिजाइन की ज्वेलरी को पहन सकती हैं।.हल्दी की रस्म में मुख्य रूप से पीला ही पहना जाता है क्योंकि यह शुभ, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह रंग खुशी और सकारात्मकता को दर्शाता है, जो हल्दी के अनुष्ठान के उत्सवपूर्ण माहौल के साथ मेल खाता है। हालांकि, अब लोग अन्य रंगों और पश्चिमी परिधानों जैसे फ्लोरलेंथ गाउन को भी आजमा रहे हैं, लेकिन पीले रंग का सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व बरकरार है। शुभ और समृद्धः भारतीय संस्कृति में पीला रंग सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जो दूल्हा-दुल्हन के आने वाले वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा माना जाता है।